प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

मतगणना कल,शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित मतगणना की पुख्ता तैयारी 3

अधिवक्ता संघ अध्यक्ष की शवयात्रा निकलने के आरोपी वकीलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज 4

वर्ष : 10 अंक : 63 प्रयागराज, सोमवार 03 जून 2024 www.prayagdarpan.live हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्यः 3 रूपये

एग्जिट पोल पर राहुल गांधी को याद आए सिद्धू मूसेवाला, कहा-सॉन्ग सुना है, हम 295 सीट जीतेंगे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले सभी एजेंसियों के एग्जिट पोल सामने आ गए हैं। एग्जिट पोल में एक बार फिर एनडीए सरकार बनती दिखाई दे रही है।अधिकांश एग्जिट पोल में दावा किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर अकेले सरकार बना सकती है। हालांकि, विपक्षी पार्टियां एग्जिट पोल को नकार रही हैं और इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा कर रही हैं। इसी बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एग्जिट पोल को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। राहुल गांधी ने इसे पीएम नरेंद्र मोदी का फैंटेसी पोल बताया है। एग्जिट पोल को लेकर उन्होंने सिंगर सिद्धू मूसेवाला के गाने का जिक्र करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन को 295 सीटें मिलने जा रही है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, यह एग्जिट पोल नहीं है। इसका नाम मोदी मीडिया पोल है, मोदी जी का पोल है, उनका फैंटेसी पोल है। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को कितनी सीटें मिलेगी, इस सवाल पर उन्होंने कहा, आपने सिद्धू मूसेवाला का सॉन्ग सुना है, हम 295 सीट जीतेंगे। बता दें कि देशभर में लोकसभा की 543 सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया शनिवार शाम सातवें और आखिरी चरण के साथ समाप्त हुई। इस बार लोकसभा चुनाव सात चरणों में कराए गए। पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को वोटिंग हुई थी और आखिरी चरण के लिए एक जून को वोट डाले गए। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन के सहयोगियों की मौजूदगी में दावा किया कि उनके गठबंधन को लोकसभा चुनाव में 295 से ज्यादा सीटें मिलने जा रही है। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर पर करीब ढाई घंटे तक इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। खड़गे ने कहा कि बीजेपी एग्जिट पोल पर चर्चा करेगी। वे जो नैरेटिव देने की कोशिश कर रहे हैं, हम उसे लेकर सच्चाई लोगों को बताना चाहते हैं। इसके साथ ही गठबंधन के कार्यकर्ताओं को चुनाव और मतदान से जुड़े मुद्दों पर सतर्कता रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, शरद पवार, रामगोपाल यादव, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, चंपई सोरेन, अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान, डी. राजा, सीताराम येचुरी, कल्पना सोरेन और गठबंधन के कई सहयोगी शामिल रहे।

संजय राउत ने एग्जिट पोल को कॉरपोरेट गेम बताया, कहा, 295 से 310 सीट जीतेगा इंडिया गठबंधन

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने रविवार को एग्जिट पोल को 'कॉरपोरेट खेल और फर्जीवाड़ा करार दिया और दावा किया कि श्एग्जिट पोलश् जारी करने वाली मीडिया कंपनियों पर दबाव था। संवाददाताओं से बातचीत के दौरान संजय राउत ने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) 543 सदस्यीय सदन (लोकसभा) में 295 से 310 सीट जीतेगा और सरकार बनाएगा। संजय राउत ने यह भी कहा कि उन्हें एग्जिट पोल की जरूरत नहीं है क्योंकि वे धरातल पर काम करते हैं और मूक लहर से परिचित हैं। शनिवार को जारी हुए 'एग्जिट पोल में अनुमान जताया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में बने रहेंगे। इसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। राउत ने दावा किया, ''इन मीडिया कंपनियों पर बहुत दबाव है। 'एग्जिट पोल की कवायद कॉरपोरेट खेल और फर्जीवाड़ा है। उन्होंने पूछा,''क्या ये कंपनियां मुफ्त में 'एग्जिट पोल करती हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया 295 से 310 सीट जीतेगा। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी गठबंधन कुल 48 में से 35 से अधिक सीट जीतेगा। महा विकास आघाडी गठबंधन में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस तथा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल है। उन्होंने कहा, ''शिवसेना 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 सीट पर जीतने के आंकड़े को बरकरार रखेगी और कांग्रेस तथा राकांपा (एसपी) भी अच्छा प्रदर्शन करेगी।

'आप बस इंतजार कीजिए', एग्जिट पोल को लेकर पूछे गए सवाल पर बोले भूपेंद्र हुड्डा

रोहतक। एग्जिट पोल सामने आने के बाद हरियाणा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र हुड्डा का बयान सामने आया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पोल तो आते रहते हैं। आप लोग महज चार जून का इंतजार कीजिए। जब नतीजों की घोषणा होगी। इस बीच, जब उनसे हरियाणा की मौजूदा स्थिति पर सवाल किया गया, तो उन्होंने दो टूक कहा कि हरियाणा में राज्य की जनता जो भी फैसला करे, हमारे लिए सर्वोपरि होगा। इस तरह से उन्होंने सीधे तौर पर कुछ भी कहने से परहेज किया और सब कुछ जनता पर छोड़ दिया।वहीं, उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी बौखलाहट यह बताने के लिए पर्याप्त है कि वो नतीजों की घोषणा से पहले ही अपनी हार स्वीकार कर चुके हैं। जिस तरह से वो अपना आक्रोश अधिकारियों पर जाहिर कर रहे हैं, उससे तो यही पता चलता है कि उन्होंने बहुत जल्द अपनी हार स्वीकार ली। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली और हरियाणा के बीच पानी की किल्लत पर जारी रार पर कहा कि प्रदेश सरकार अपने हिस्से का तो पानी ले नहीं सकती। ये लोग सिर्फ और सिर्फ इधर-उधर की बात कर रहे हैं। इनसे कुछ होने वाला नहीं है। इन्होंने 10 साल सत्ता में रहकर बर्बाद किया और कुछ नहीं। जब उनसे आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस द्वारा संगठन को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने दो टूक कहा कि हमारा संगठन तो लोग हैं। हम लोगों के बीच पहुंच रहे हैं और उनसे सवाल कर रहे हैं कि हम उनके लिए क्या बेहतर कर सकते हैं। जनता का हित हमारे लिए हमेशा से ही सर्वोपरि रहा है। इसके साथ ही उन्होंने हरियाणा सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने जनता के हित में कोई कदम नहीं उठाया है। इन लोगों ने सिर्फ और सिर्फ अपना कार्यकाल बर्बाद कर जनता के हितों पर कुठाराघात किया है।बता दें कि हरियाणा के लिए आए एग्जिट पोल में बीजेपी को अच्छी बढ़त दिखाई गई है। पिछली बार यानी 2019 में बीजेपी ने यहां सभी दस सीटें जीती थी, लेकिन शनिवार को सामने आए एग्जिट पोल में इसे कुछ सीटों का नुकसान बताया गया है।

योगी ने किया गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन-पूजन, रिमझिम बारिश के बीच की गौसेवा,बच्चों को दिया आशीर्वाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमेशा की तरह आज यानी रविवार सुबह गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन-पूजन किया। इसके बाद उन्होंने गोसेवा की और बच्चों को प्यार और दुलार किया। यहां पर आज सुबह से ही रिमझिम बारिश हो रही है। आज गोवंश तथा बच्चों के बीच सीएम योगी की आत्मीयता का वातावरण और आनंदित करने वाला रहा। बता दें कि कल यानी 1 जून को लोकसभा चुनाव के आखिरी और सातवें चरण के लिए मतदान समाप्त हो चुके है। इसके बाद यहां कई राजनेता चुनावी गणित समझने में उलझे रहे, वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह गोरखपुर मंदिर पहुंचे और उन्होंने शिव आवतार गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन-पूजन कर उन्होंने लोकमंगल की कामना की। फिर अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर जाकर मत्था टेका और उनका आशीर्वाद लिया। गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन-पूजन करने के बाद सीएम योगी मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले।

इस दौरान उन्होंने गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की। सीएम ने उनका हाल चाल जाना। वहीं, भ्रमण करते हुए परिसर में उनकी नजर श्रद्धालुओं के साथ आए उनके बच्चों पर पड़ गई। मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को अपने पास बुला लिया, सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार-दुलार और आशीर्वाद देने लगे। उन्होंने बच्चों से उनका नाम, उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा, खूब हंसी ठिठोली की और सभी को चॉकलेट देकर विदा किया।

बारिश की फुहारों के बीच सीएम का सानिध्य पाकर ये बच्चे काफी प्रफुल्लित नजर आ रहे थे। इसके साथ ही सीएम योगी ने गोसेवा की। उन्होंने गोवंश की चंचलता देख उनके माथे पर हाथ फेरा और प्यार किया।

खबरें एक नजर में

जमशेदपुर में बुजुर्ग की हत्या के बाद कटा सिर लेकर घूमता रहा युवक

जमशेदपुर। जमशेदपुर के कुदालम गांव में एक व्यक्ति ने 60 वर्षीय बुजुर्ग निताई महतो का सिर धारदार हथियार से काट दिया। इसके बाद वह कटा सिर लेकर गांव में घूमता रहा। उसके घरवालों ने किसी तरह उसे काबू में किया और एक पेड़ में रस्सी से बांध दिया। गांव के लोगों ने उसकी जमकर पिटाई की। बाद में वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हत्या की वजह क्या है, यह साफ नहीं हो पाया है। आरोपी का नाम मिथुन महतो है। बताया गया है कि निताई महतो सुबह-सुबह गांव के बगीचे में आम चुनने गई थी। उसी वक्त मिथुन वहां पहुंचा। उसने निताई महतो को हथियार का भय दिखाकर पहले कपड़े उतरवाए और इसके बाद गला रेत डाला।इसकी खबर मिली तो गांव के लोग वहाँ पहुंचे,लेकिन मिथुन महतो के हाथ में कटा सिर और हथियार देखकर लोग पीछे हट गए। मिथुन कटा सिर लेकर काफी देर तक गांव में घूमता रहा। इसके बाद वह अपने घर पहुंच गया। कुदालम गांव जमशेदपुर के एमजीएम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। थाना प्रभारी राम बाबू मंडल ने बताया कि मृतक का सिर और धड़ बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। मृतक निताई महतो के पुत्र प्रह्लाद महतो के अनुसार, उसके पिता या परिवार की किसी से कोई रंजिश नहीं थी। वह सब्जी बेचकर परिवार चलाते थे। उनकी हत्या क्यों की गई, यह समझ से परे है। मृतक के पुत्र के बयान पर एफआईआर दर्ज की गई है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि हत्या के पीछे की वजह अंधविश्वास हो सकता है। बता दें कि इस इलाके में डायन, जादू-टोना के नाम पर हर साल कई हत्याएं होती हैं।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में टला बड़ा हादसा, 2 मालगाड़ियां आपस में टकराई

फतेहगढ़। साहिब पंजाब के सरहिंद रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह एक खड़ी मालगाड़ी से एक अन्य मालगाड़ी के टकरा जाने से दो 'लोको पायलट (ट्रेन चालक) घायल हो गए। राजकीय रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि टक्कर के कारण उनमें से एक का इंजन दूसरी पटरी पर चला गया और एक यात्री ट्रेन से टकरा गया। उन्होंने बताया कि सरहिंद के माधोपुर के निकट हुई और इस घटना में लोको पायलट विकास कुमार और हिमांशु कुमार घायल हो गए। फतेहगढ़ साहिब में राजकीय अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि विकास कुमार के सिर और हिमांशु कुमार की पीठ पर चोट लगी है और उन्हें पटियाला के राजेंद्र अस्पताल भेज दिया गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेल सेवाएं बहाल करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं और कुछ ट्रेन को राजपुरा, पटियाला और धुरी तथा कुछ को चंडीगढ़ के रास्ते चलाया जा रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं। मान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, सरहिंद रेलवे स्टेशन पर दो ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर मिली है। भगवान का शुक्र है कि कोई जनहानि नहीं हुई।

लखीमपुर में ट्रक और कार में भीषण टक्कर, महिला समेत तीन लोगों की मौत, दो घायल

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां पर आज एक तेज रफ्तार कार और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि पति समेत दो लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा जिले उचौलिया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर के निकट रविवार सुबह करीब 11 बजे हुआ। दरअसल, नेशनल हाईवे पर जलालाबाद में पेट्रोल पंप के पास कार पीछे से कंटेनर में जा घुसी। भीषण हादसे में कार सवार लखनऊ के इंदिरा नगर थाना क्षेत्र के कुर्मांचल नगर निवासी दिनेश चंद्र उपाध्याय की पत्नी विमला उपाध्याय (60 वर्ष), उनके पुत्र दीपक उपाध्याय, राजीव उपाध्याय की मौत हुई है। जबकि दो लोग घायल हो गए है।

पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर की स्थिति की समीक्षा की

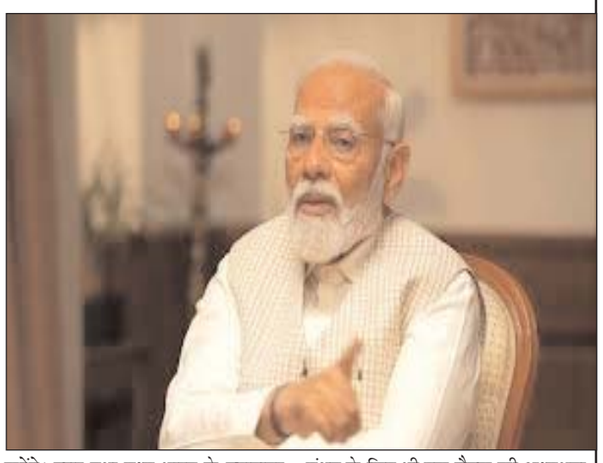

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में पूर्वोत्तर के राज्यों में चक्रवाती तूफान के बाद की स्थिति की समीक्षा की। लोकसभा चुनाव समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री आज कई बैठकें करने वाले हैं। इसी क्रम में यह पहली बैठक थी। पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में से चार में चक्रवाती तूफान रेमल के बाद हुई बारिश और भूस्खलन के कारण कम से कम 36 लोगों की जान चली गई है। तूफान के कारण आम जनजीवन भी लगभग थम गया है।

मिजोरम में सबसे ज्यादा 27 लोगों की मौत हुई है। इसमें अकेले आइजॉल जिले में एक खदान धंसने से 21 लोगों की जान चली गई। नागालैंड में चार, असम में तीन और मेघालय में दो लोगों की मौत की सूचना है। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश की वजह से भूस्खलन हुआ, पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गये, तथा बिजली आपूर्ति और इंटरनेट सेवाएं बाधित हुई। पीएम मोदी देश के विभिन्न हिस्सों में चल रही लू की स्थिति की समीक्षा के लिए भी आज एक बैठक करेंगे। उत्तर तथा मध्य भारत के ज्यादातर राज्यों में लू चल रही है। कई शहरों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री बड़े पैमाने पर विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए भी आज एक बैठक करेंगे। वह नई सरकार के पहले 100 दिन के एजेंडा पर मंथन के लिए भी एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। अधिकतर एग्जिट पोल सर्वेक्षणों में भाजपा नीत एनडीए को लोकसभा चुनाव में 350 से ज्यादा सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। इसे देखते हुए प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल के लिए 100 दिन का एजेंडा तय करने पर आज से ही काम शुरू कर रहे हैं।

जेल लौटने से पहले अरविंद केजरीवाल का मोदी सरकार पर बड़ा हमला, 4 जून को बीजेपी नहीं जीतेगी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने पर उन्हें जेल में डाल दिया गया। तिहाड़ जेल अधिकारियों के सामने अपने निर्धारित आत्मसमर्पण से पहले दिल्ली में आप मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, केजरीवाल ने एग्जिट पोल को फर्जी बताया, जिसमें पीएम मोदी के लिए तीसरे कार्यकाल की भविष्यवाणी की गई थी और कहा कि भाजपा जून में सत्ता में नहीं लौटेगी। केजरीवाल ने कहा, मैं दिल्ली के लोगों को बताना चाहता हूं-आपका बेटा आज जेल लौट रहा है। ऐसा इसलिए नहीं है कि मैं किसी भ्रष्टाचार में शामिल हूं, बल्कि इसलिए कि मैंने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई है। (लोकसभा चुनाव) प्रचार के दौरान, पीएम ने स्वीकार किया आप प्रमुख ने कहा, उनके पास मेरे खिलाफ कोई सबूत नहीं है। उन्होंने 500 से अधिक स्थानों पर छापे मारे लेकिन एक पैसा भी बरामद नहीं हुआ। केजरीवाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि एग्जिट पोल फर्जी थे और उन्होंने इसे माइंड गेम खेलने की भाजपा की चाल बताया। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे कहा, ये सभी एग्जिट पोल फर्जी हैं। एक एग्जिट पोल ने राजस्थान में भाजपा को 33 सीटें दी थीं, जबकि वहां केवल 25 सीटें हैं... असली मुद्दा यह है कि उन्हें मतगणना के दिन से 3 दिन पहले फर्जी एग्जिट पोल क्यों करना पड़ा। इसके बारे में कई सिद्धांत हैं, उनमें से एक यह है कि वे मशीनों (ईवीएम) में हेरफेर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले दिन में, केजरीवाल ने राजघाट में महात्मा गांधी के स्मारक और कनॉट प्लेस में हनुमान मंदिर का दौरा किया। आप सुप्रीमो दोपहर करीब तीन बजे अपने आवास से तिहाड़ जेल के लिए रवाना हुए क्योंकि दिल्ली शराब नीति मामले में उनकी तीन सप्ताह की अंतरिम जमानत एक जून को समाप्त हो रही थी। दिल्ली की एक अदालत ने भी चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत की मांग करने वाली केजरीवाल की याचिका पर अपना आदेश 5 जून तक के लिए टाल दिया। एक्स पर एक पोस्ट में, दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए 21 दिन की अंतरिम जमानत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आभारी हैं।

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पूरी करेगी अपनी गारंटियांः सोनिया गांधी

हैदराबाद। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रविवार को तेलंगाना के लोगों को आश्वस्त किया कि राज्य की कांग्रेस सरकार अपनी गारंटियों को पूरा करेगी।सोनिया गांधी ने तेलंगाना के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई दी और उन्हें तेज विकास तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में 10वें तेलंगाना स्थापना दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह में उनका पहले से रिकॉर्ड किया गया वीडियो संदेश चलाया गया। राज्य सरकार ने समारोह में शामिल होने के लिए उन्हें आमंत्रित किया था, लेकिन खराब स्वास्थ्य के कारण वह नहीं आ सकीं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता ने कांग्रेस को समृद्ध तथा विकसित तेलंगाना के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी है और लोगों के सभी सपनों का पूरा करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा, आज इस खास मौके पर, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना की कांग्रेस सरकार अपनी गारंटियों को पूरा करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। सोनिया गांधी ने महान राज्य के गठन के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले तेलंगाना के अनगिनत शहीदोंष् को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, ष्मैंने 2004 में करीमनगर में तेलंगाना के लोगों से वादा किया था कि कांग्रेस उनके सपनों को पूरा करेगी। मेरे बयान के बाद हमारी पार्टी में भी मतभेद उभरा था और कई लोग पार्टी छोड़कर चले गये। लेकिन आपके साहस और दृढ़ निश्चय ने मुझे आपके सपनों को पूरा करने की ताकत तथा प्रेरणा दी। कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले 10 साल में तेलंगाना के लोगों ने उन्हें काफी सम्मान और स्नेह दिया है। मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राष्ट्र ध्वज फहराया और पुलिस दस्ते की सलामी ली। पिछले साल दिसंबर में राज्य में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद यह पहला तेलंगाना स्थापना दिवस है।

केरल में किसी भी लोकसभा सीट पर भाजपा के जीतने की संभावना नहींः माकपा

तिरुवनंतपुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की केंद्रीय समिति के सदस्य और पूर्व मंत्री ए.के. बालन ने रविवार को कहा कि जैसा कि एग्जिट पोल में अनुमान लगाया गया है, केरल में भाजपा के किसी भी लोकसभा सीट पर जीतने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा उम्मीदवार और मलयालम फिल्म सुपरस्टार सुरेश गोपी त्रिशूर से जीत जाते हैं तो यह कांग्रेस की वजह से ही संभव होगा। सभी एग्जिट पोल ने अनुमान लगाया है कि केरल में भाजपा एक से चार सीटें जीतेगी। भाजपा को तिरुवनंतपुरम और त्रिशूर लोकसभा सीटें जीतने की भी उम्मीद है। केरल के पर्यटन और लोक निर्माण मंत्री और माकपा राज्य सचिवालय के सदस्य पी.ए. मोहम्मद रियास ने कोझिकोड में मीडियाकर्मियों से कहा, केरल में भाजपा के सीटें जीतने वाले एग्जिट पोल किसी मजाक से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केरल में कोई भी सीट नहीं जीतेगी। रियास ने कहा, 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान सभी एग्जिट पोल में मेरी सीट सहित कई माकपा नेताओं की हार का अनुमान लगाया गया था, लेकिन हमने सभी सीटों पर रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की।

तपिश में उत्साह से समृद्ध हुआ लोकतंत्र

आखिरकार सबसे लंबी अवधि वाले चवालीस दिनी आम चुनाव का समापन शनिवार को 57 सीटों पर मतदान के साथ हो गया। झुलसाती गर्मी व तूफान के बावजूद सात चरणों वाले लंबे चुनाव अभियान में मतदाताओं का उत्साह दुनिया को भारतीय लोकतंत्र की ताकत दिखाता है। बड़ी-बड़ी रैलियों, रोड शो और जनसंपर्क कार्यक्रमों में मतदाताओं की उपस्थिति भारतीय लोकतंत्र के उज्ज्वल भविष्य को ही दर्शाती है। बेहतर होता कि बेहद जटिल मौसमी परिस्थितियों में यह चुनाव कार्यक्रम इतना लंबा न होता। छिटपुट हिंसा घटनाओं को छोड़कर कमोबेश यह चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। लेकिन हमें स्वीकार करना होगा कि तमाम सांस्कृतिक, भौगोलिक व राजनीतिक रुझान में विविधताओं वाले इस देश में आज भी चुनाव प्रक्रिया विश्वसनीय मानी जाती है, जिसका श्रेय निश्चित रूप से वर्षों से सक्रिय चुनाव आयोग के अधिकारियों व कर्मचारियों को दिया जाना चाहिए। शांतिपूर्ण मतदान से मतदाताओं का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास बढ़ता है। भारत को यूं ही दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र नहीं कहा जाता। हमारी 18वीं लोकसभा के लिये संपन्न चुनाव में विश्व का सबसे बड़ा मतदाता वर्ग सक्रिय रहा। देशभर में कुल 96 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत रहे। इतने बड़े मतदाता वर्ग के लिये सुगम मतदान की व्यवस्था करना निश्चित ही चुनौतीपूर्ण कार्य था। लेकिन एक बात तय है कि 19 अप्रैल को शुरू हुए पहले चरण के मतदान से शनिवार को संपन्न सातवें व अंतिम चरण के मतदान कार्यक्रम को यदि कुछ सप्ताह कम किया जाता तो मई के अंत की भीषण गर्मी से मतदाताओं को दो-चार न होना पड़ता। कई राज्यों से चुनाव ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों के लू से मरने की विचलित करने वाली खबरें भी आईं। वहीं लंबी चुनावी प्रक्रिया के दौरान आचार-संहिता लंबे समय तक लागू रहने से विकास कार्य भी प्रभावित होते हैं। बहरहाल, चुनाव कार्यक्रम निर्धारण को केंद्र में सत्तारूढ़ दल की प्राथमिकता भी प्रभावित करती है तो वहीं कानून-व्यवस्था व कुछ व्यावहारिक दिक्कतें भी चुनाव कार्यक्रम को लंबा बनाती हैं। बहरहाल, एक बात तय है कि चुनाव चरणों का लम्बा समय व मौसम की प्रतिकूलताएं मतदाताओं को उदासीन बनाती हैं। कुछ चुनावी पंडित मतदान प्रतिशत में पिछले बार के मुकाबले गिरावट आने की यही वजह बताते हैं। वहीं विश्वसनीयता खोते राजनेता तथा नकारात्मक चुनाव प्रचार भी मतदाताओं की चुनावों में दिलचस्पी को कम कर देता है। लेकिन इसके बावजूद हालिया तूफान से प्रभावित पश्चिम बंगाल से लेकर हिमाचल के दुर्गम इलाकों लाहौल-स्पीति तक में मतदाताओं ने उत्साह से चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। इस बार के चुनाव में एक सकारात्मक पक्ष यह भी दिखा कि वयोवृद्ध व अशक्त लोगों को घर से मतदान करने का अवसर मिला। चुनाव ड्यूटी में लगे करोड़ों कर्मचारियों का डाक से अपना मतदान करने का उत्साह भी लोकतंत्र की खूबसूरती को ही दर्शाता है। अभी भी मतदान प्रक्रिया को और अधिक मतदाताओं के अनुकूल बनाने की जरूरत है। साथ ही राजनेताओं का दायित्व भी बनता है कि उनकी रीतियों-नीतियों का असर हकीकत में भी नजर आए। अन्यथा मतदाताओं का मोहभंग होते देर न लगेगी। शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता का हस्तांतरण भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है। इस खूबसूरती पर किसी तरह की आंच नहीं आने देनी चाहिए। पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आम मतदाता का विश्वास निरंतर मजबूत होते रहना चाहिए। इसके लिये समय-समय पर चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठने वाले सवालों व शंकाओं का समाधान भी जरूरी है। आचार-संहिता के उल्लंघन जैसे मामलों में कार्रवाई को लेकर चुनाव आयोग तमाम आक्षेपों से मुक्त रहना चाहिए। ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि आयोग सत्तारूढ़ दल के प्रति उदार रुख दिखा रहा है। चुनाव आयोग का निष्पक्ष रहने के साथ निष्पक्ष दिखना भी जरूरी है। बहरहाल, चार जून को जनादेश का परिणाम देश के सामने होगा। जो भी दल केंद्र में सरकार बनाये, उसे ध्यान रखना होगा कि युवाओं का यह देश बेरोजगारी व महंगाई का दंश झेल रहा है। देश में आर्थिक असमानता का दायरा सिमटना चाहिए। यदि देश की विकास दर लगातार बढ़ रही है तो उससे समृद्धि समाज के अंतिम व्यक्ति के घर में भी नजर आनी चाहिए।

सत्य को आत्मसात कर दंभ को त्यागें

संजीव ठाकुर

यह तो सच बात है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का श्सांच को आंच नहींश् जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित सत्यमेव जयते आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है। यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा

में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे।आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म ,अध्यात्म ,अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निर्देशों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्यात्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है।

पारिवारिक सामाजिक स्तर पर भी देखें तो समाज के नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के परिणाम स्वरूप सामाजिक प्रतिष्ठा उसी को प्राप्त होती है जिसके पास पर्याप्त तथा अकूत धन हो। धनवान व्यक्ति की विचारधारा उसकी मान्यताओं को समाज महत्व देता है एवं उसे प्रेरणा का स्रोत माना जाता है। निर्धन व्यक्ति कितना भी विद्वान ऊर्जावान हो उसकी बातें सत्य पूर्ण सत्य तथा उदास बातें भी समाज में कई उदाहरणों में महत्वहीन हो जाती है। धन तथा बाहुबल के महत्व के अनेक उदाहरण राजनीतिक स्तर पर प्रतिदिन हमारे सामने आने लगे हैं। राजनीतिक जीवन में धन के बल पर किए जाने वाले भ्रष्टाचार, चुनाव में धांधली, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, पार्टियों पर अनुचित प्रभाव मीडिया चौनल न्यूज प्रिंट मीडिया आदि की खरीदारी सत्य के मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं। आज धन व सत्ता का अनुचित प्रयोग सत्य का दमन तथा उसे नकारने की शक्ति बन चुका है। कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वे के अनुसार उसके सूचकांक में भारत का निम्न स्थान धन के बल पर सत्ता प्रतिष्ठानों को प्रभावित करने बढ़ती घूसखोरी, सरकारी गैर सरकारी, कारपोरेट जगत के बढ़ते नैतिक पतन को उजागर करता है। विधायिका, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका सभी स्तरों पर सत्य के मूल्य के दमन की घटनाओं से आज अखबार अटा पड़ा है। आज की स्थिति में निचले स्तर से उच्च स्तर की अदालतों तक न्याय पाने के लिए महंगे वकील करने के लिए धन की अत्यंत आवश्यकता होती है, न्याय भी अब धन पर आधारित हो गया है। न्याय पाना अब गरीबों का हक नहीं रह गया है,यह केवल अमीर लोगों की मुट्ठी में बंद होकर रह गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिखने वाली बराबरी अनेक बार सत्य को दबाकर दादागिरी के बल पर अमीर देशों की जिद की भेंट चढ़ जाती है। अमीर देशों की धन के दम पर दादागिरी कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों में दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन पर होने वाले वैश्विक सम्मेलन इसीलिए भी असफल होते दिखाई दिए हैं। क्योंकि अमीर देश कार्बन उत्सर्जन की मात्रा की जिम्मेदारी ज्यादा जनसंख्या वाले विकासशील देशों के सिर पर डाल देते हैं। सत्य की मनमानी व्याख्या आधुनिक युग की सच्चाई है सत्य का दमन इस स्तर पर पहुंच चुका है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत स्तर पर दिन में कितनी बार धनबल के दबाव में अपने अंतःकरण से समझौता कर अपनी सहज प्रवृत्ति का दमन करने से नहीं चूकता है।और अंत में स्वामी विवेकानंद जी ने ये भी कहा है कि यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है, यह तो यथार्थ है कि सत्य की शक्ति अत्यंत व्यापक एवं सर्वकालीन है।

बिग बैंग और परिवर्तन के स्थिर अवस्था सिद्धांतों के बीच

एक अजीब संयोग से, यह कॉलम एक भाग्यशाली दिन पर प्रकाशित हुआ है। लंबे समय से चल रहे चुनाव चक्र का अंतिम चरण आखिरकार खत्म होने जा रहा है। श्याम सरन नेगी का निधन 2022 में हुआ। 1951-52 से हर चुनाव में मतदान करने और तब पहला वोट डालने के बाद, वे भारत के लोकतंत्र के प्रतीक थे। मैंने किसी को 2024 के लोकसभा में सबसे बुजुर्ग मतदाता का पता लगाने के लिए सूचियों को छानते नहीं देखा। (हरियाणा के लिए सूचियाँ हैं, जिसमें सबसे बुजुर्ग पुरुष मतदाता 118 वर्ष के हैं और सबसे बुजुर्ग महिला मतदाता 117 वर्ष की हैं।) जो लोग शहरों में रहते हैं, वे हमेशा गिर, ओडिशा के नगाड़ा गाँव, अरुणाचल के मालोगाम गाँव या हिमाचल के ताशीगांग में दूरदराज के मतदान केंद्रों के साथ चुनाव आयोग द्वारा किए जाने वाले भारी काम की सराहना नहीं करते हैं। ये तो बस कुछ उदाहरण हैं। सोकेला तयांग भारत के लोकतंत्र के लिए उन लोगों से कहीं ज़्यादा प्रतीक हैं जो गर्मी और लंबी चुनावी प्रक्रिया के कारण मतदान न करने की शिकायत करते हैं। अगर आप सोच रहे हैं कि वह कौन है - तो वह मालोगाम में एकमात्र मतदाता है, जहां चुनाव अधिकारियों ने अरुणाचल पूर्व के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए 39 किलोमीटर की पैदल यात्रा की। मुझे लगता है कि जो लोग लोकतंत्र के पतन के बारे में नीरस लेख लिखते हैं, उन्हें 39 किलोमीटर की पैदल यात्रा करके देखना चाहिए। इससे दृष्टिकोण बदल सकता है।आज का दिन सौभाग्यशाली है क्योंकि हम e&it poll के रुझान को जानेंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि हम जरूरी समझदार होंगे। मैंने कई तरह के चुनाव विशेषज्ञों का एक सर्वेक्षण किया। पता चला कि वे 4 जून को संभावित परिणाम के बारे में विभाजित हैं। मैंने कई तरह के चुनाव विशेषज्ञों का एक सर्वेक्षण किया। पता चला कि वे भी संभावित परिणाम के बारे में विभाजित हैं। मनोवैज्ञानिकों से लेकर प्रॉक्टोलॉजिस्ट तक सभी -लॉजिस्ट अक्सर विभाजित होते हैं। कभी-कभी यह ए स्कैंडल इन बोहेमिया से शर्लक होम्स की कहावत के कारण होता है- मेरे पास अभी तक कोई डेटा नहीं है। डेटा होने से पहले सिद्धांत बनाना एक बड़ी गलती है। अचेतन रूप से व्यक्ति तथ्यों को सिद्धांतों के अनुकूल बनाने के बजाय तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना शुरू कर देता है।एग्जिट पोल में भी इसी तरह की गलती की संभावना होती है, सैंपल पूर्वाग्रहों और दोषपूर्ण सैंपल डिजाइन के मुद्दों के अलावा, Respondents द्वारा सच्चाई के साथ किफ़ायती होने का उल्लेख नहीं किया जाता है। 1951 से केनेथ एरो के प्रसिद्ध संभावना (असंभवता) सिद्धांत ने सामूहिक विकल्प या सामाजिक विकल्प के रूप में जाना जाने वाला एक बिल्कुल नया अनुशासन शुरू किया। समस्या व्यक्तिगत (क्रमिक) वरीयताओं को सामाजिक वरीयताओं में एकत्रित करने की थी। इस संभावना से कि व्यक्ति अपनी वास्तविक वरीयताओं को प्रकट न करें, रणनीतिक मतदान के रूप में जाना जाने वाला एक बिल्कुल नया उप-अनुशासन शुरू हुआ।

समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए नई संसद का एजेंडा

1991 की गर्मियों में, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बमुश्किल सात दिनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त था। भारत ने Default से बचने के लिए 405 मिलियन जुटाने के लिए बैंक ऑफ़ इंग्लैंड के पास अपने 46.1 टन सोने के भंडार को गिरवी रख दिया। इस स्तंभकार द्वारा लिखित और 8 जुलाई, 1991 को इसी अखबार में प्रकाशित इस खुलासे ने दुनिया को अर्थव्यवस्था की अनिश्चित स्थिति के बारे में बड़े पैमाने पर सूचित किया और अर्थव्यवस्था के उदारीकरण को मजबूर किया। शुक्रवार को, भारतीय रिजर्व बैंक ने यूके से, बैंक ऑफ इंग्लैंड से, 100 टन सोना अपने तिजोरियों में स्थानांतरित कर दिया। गरीबी से समृद्धि के वादे तक भारत की यात्रा, जिसका वर्णन मेरी पुस्तक Accidental India में किया गया है, संकटों की एक श्रृंखला द्वारा प्रेरित हुई है। आज, भारत के पास 822 टन से अधिक सोना है। इसके पास 646Billion Dollars का विदेशी मुद्रा भंडार है। 1991 के संकट के सबक याद रखना शिक्षाप्रद है।इस सप्ताह एक नई निर्वाचित संसद और एक नई सरकार होगी। वे राष्ट्र को उथल-पुथल भरे समय, भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र में व्यवधानों के माध्यम से चलाने की जिम्मेदारी उठाते हैं। नियति के साथ वादा किया गया मिलन एक ऐसे एजेंडे की मांग करता है, जिसमें सभी दलों की सहमति हो। वास्तव में, यह आदर्श होगा यदि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, नई संसद के उद्घाटन भाषण में, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय लक्ष्यों पर सर्वदलीय सहमति बनाने के लिए सांसदों के लिए एक विशेष सत्र का आह्वान करें।लचीलापन और स्थिरता स्थापित करने के लिए यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं। अधिकतम शासन अक्सर कहा जाता है कि भारत की सरकारों में बहुत से लोग ऐसे काम कर रहे हैं जो बहुत मायने नहीं रखते और बहुत कम लोग ऐसे काम कर रहे हैं जो मायने रखते हैं। अनिवार्य रूप से, शासन की संरचना की समीक्षा की आवश्यकता है - क्या मानव द्वारा संचालित किया जा सकता है, क्या स्व-नियमन के लिए ऑफशोर किया जा सकता है और क्या स्वचालित या डिजिटल किया जा सकता है। यह सरकार का आकार नहीं है, बल्कि प्रक्रियाओं की सरलता है जो दक्षता को परिभाषित करती है। क्या

भारत उम्मीद कर सकता है कि केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों की एक चयन समिति, जिसकी सहायता एक विशेषज्ञ समूह करेगा, शासन का नया स्वरूप प्रस्तुत करेगी?धन जुटाना- पूंजी की लागत का विकास पर प्रभाव पड़ता है। दुनिया नई औद्योगिक नीतियों और राजकोषीय विस्तारवाद की गवाह है। जैसा कि नए शब्द कहते हैं, दुनिया उच्च ब्याज दरों के लिए स्थिर है। भारत को कुशल संसाधन प्रबंधन को शामिल करके अपने विकास को बढ़ावा देना चाहिए। इसे अपव्यय को खत्म करने की जरूरत है। संसाधन जुटाने के लिए इसे निवेशकों को संपत्ति की पेशकश करके उसे भुनाना/मौद्रिक बनाना होगा-इसमें बेकार पड़ी जमीन, उद्यम और शेयरधारिता शामिल हैं। 2004 से सार्वजनिक हुए 28 सार्वजनिक उपक्रमों में सरकार की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है और इसका मूल्य 21 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। हिस्सेदारी को 51 प्रतिशत तक कम करने से 10 लाख करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं। तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा मानव और भौतिक बुनियादी ढांचे में निवेश करने के लिए संसाधन खोजने पर टिकी है।मापन मायने रखता है- चुनावों से पता चलता है कि राजनेता महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं दे पाते हैं। क्या वैश्विक डिजिटलीकरण की सीमाओं की सेवा करने वाले राष्ट्र के पास रोजगार सृजन, अर्जित आय पर डेटा टेम्पलेट नहीं होना चाहिए? क्या डेटा का त्रिकोणीकरण - बैंक ऋण, निजी इक्विटी, यूपीआई भुगतान और जीएसटी संग्रह - गिग और औपचारिक अर्थव्यवस्थाओं का सारांश दे सकता है? क्या सरकारी व्यय रोजगार पर एक सारांश दे सकता है जो समझने योग्य हो और अस्पष्ट न हो? जीडीपी या गरीबी के आंकड़ों को संदेह से क्यों छिपाया जाना चाहिए? पीटर ड्रकर ने कहा कि जो मापा जाता है उसे प्रबंधित और सुधारा जा सकता है। यदि भारत बेहतर करने की आकांक्षा रखता है, तो उसे अपनी माप प्रणाली में सुधार करना चाहिए। कल्याण के मार्ग पर नज़र रखें- चुनाव वास्तव में योजनाओं के बीच एक प्रतियोगिता है। भारत का कल्याण मॉडल लागत और लाभ के विभक्ति बिंदु पर है। केंद्र सरकार सामाजिक योजनाओं पर 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च करती है। राज्य सरकार के हस्तांतरण की मात्रा क्या है? व्यवधानों की तीव्रता को देखते हुए, आय सहायता और कल्याण उपायों का विस्तार होगा। यह समय है कि केंद्र और राज्य कल्याण पर एक वार्षिक रिपोर्ट में योग्यता का पुनर्मूल्यांकन करें, लागतों को जोड़ें और परिणामों की जांच करें। नौकरियों और पाठ्यक्रम को संरेखित करें- भारत का नौकरी बाजार विरोधाभासों का एक अध्ययन है। 3 मिलियन सरकारी पद रिक्त हैं और बेरोजगारी पर बहस चल रही है। बाजार की एक और सच्चाई यह भी है- नियोक्ता क्या चाहते हैं और उम्मीदवार क्या चाहते हैं, इसके बीच का अंतर। प्रौद्योगिकी को तेजी से अपनाने से यह अंतर और बढ़ेगा। प्राथमिक शिक्षा टूटी हुई है; उच्च शिक्षा अतीत में चली गई है। भारत को अपने कार्यबल के कौशल और बाजार की जरूरतों को मैप करने की जरूरत है। पाठ्यक्रम को बाजार के साथ फिर से जोड़ने के लिए शिक्षा, उद्योग और सरकार के बीच सार्वजनिक-निजी भागीदारी की जरूरत है। भारत को एक सक्रिय श्रम नीति की जरूरत है जो कौशल, अप-स्किलिंग और री-स्किलिंग को सक्षम बनाती है। न्यायिक प्रणाली में कमी- न्याय प्रदान करना संविधान की आधारशिला है। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड से पता चलता है कि न्याय प्रदान करना सभी स्तरों पर विफल हो रहा है। भारत की अदालतों में 5.1 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से 80 हजार से अधिक सुप्रीम कोर्ट में और 61.9 लाख उच्च न्यायालयों में हैं।

आज का राशि फल

मेषः- मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा।

बृषभः- किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। धनागम की नयी युक्तियों पर मन केंद्रित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

मिथुनः- मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। जीवन साथी के स्वास्य का ध्यान रखें।

कर्क :- पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे-संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से अच्छे कार्यों द्वारा उसकी प्राश्चित भी करें।

सिंहः- पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। परिवार को सुव्यवस्थित चलाने में आपका विशेष योगदान होगा। किसी संबंध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

कन्याः- मन ढ़ेर सारे पूर्वाग्रहों से प्रभावित होगा। पुरानी बातों कों भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें। मन पर नियंतण्ररख कर्त्तव्यनिष्ठ बने। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव।

तुलाः- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिकः- संघर्ष के इन दिनों में धैर्य और हिम्मत से काम लें। मन को सकारात्मक दिशा प्रदान करें। परिजनों के सुख-दुख से प्रभावित मन परिवार को एकजुट रखने में केंद्रित होगा।

धनुः- आकस्मिक ढेर सारे तनाव मन पर प्रभावी होंगे। निराशावादी विचारों को त्याग आशावादी बनें। नाजुक संबंधों के बीच भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनायें। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

मकरः- भविष्य संबंधी कुछ योजनायें मन को प्रभावित करेंगी। मन सुंदर विचारो से सिंचित होगा। धार्मिक व पारंपरिक कायरें की ओर मन केंद्रित होगा। नये कार्यों में संलग्नता से लाभ संभव। आलस्य का त्याग करें।

कुंभः- अपने सुख-दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीनः- आर्थिक क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेकर मन में चिंता होगी।

एक बार फिर मोदी सरकार

प्रेम शर्मा

जी हॉ मतदाताओं की चुप्पी, मुद्दो से इतर चुनाव, कम मतदान के बावजूद एक बार फिर मोदी सरकार का नारा साकार होता दिख रहा है। अगले चौबीस घन्टे में अगली सरकार का फैसला हो जाएगा लेकिन इस बार के चुनाव परिणाम वाकई अप्रत्याशित माने जा रहे है। भारी दमखम के साथ मैदान में उतरा विपक्ष ढेर होता दिख रहा है। लोकसभा चुनाव के नतीजे से पहले एग्जिट पोल्स में मोदी तीसरी बार हैट्रिक लगाते नजर आ रहे हैं। एक पोल में तो 400 के पार तक पहुंच रही है। एग्जिट पोल के में एनडीए को 365 और इण्डिया को 145 सीटों का अनुमान है। अन्य को 32 सीटें मिल सकती हैं। इस बार भाजपा 2019 में मिली 303 सीटों का आंकड़ा पार कर सकती है। ऐसे में इस परिणाम को चौकाने वाला माना जा रहा है। हिंदी पट्टी के राज्य उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली में भाजपा को एकतरफा बढ़त का अनुमान बताया गया है। इन राज्यों की 90 प्रतिशत से ज्यादा सीटों पर भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। एमपी की 29 सीटों में से भाजपा को 28 से 29 और वहीं राजस्थान में 25 सीटों में से 23 से 25 सीटें मिलने का अनुमान है। यानि यह बॉत तो तय है कि एनडीए नेताओं का हिन्दु कार्ड और दस किलो अनाज काम कर गया। जबकि इसके इतर विपक्ष सत्तारूढ़ भाजपा एवं उनके सहयोगियों की खामियों को भुनाने में फेल साबित हुआ। मैने अपने पिछले लेख में इस बॉत का जिक्र किया था कि '' सरकार तो आपकी ही लेकिन सवालों के साथ '' ऐसे में एक बार फिर एनडीए का बहुमत हासिल करना बहुत से सवाल विपक्ष और जनता के सामने ला रहा है। अब तक पोल के मुताबिक बिहार, झारखंड, राजस्थान और महाराष्ट्र में एनडीए को 29 सीटों का नुकसान संभव है। बंगाल में उलटफेर होता दिख रहा है। यहां भाजपा कुल 42 सीटों में से 26 से 31 सीटें मिलने के आसार हैं। ओडिशा, तेलंगाना में भाजपा दोगुनी सीटें बढ़ा सकती हैं। एग्जिट पोल के मुताबिक एनडीए गुजरात, एमपी, छत्तीसगढ़, हिमाचल, दिल्ली, उत्तराखंड, समेत 8 राज्यों की सभी सीटें जीत सकता है। कर्नाटक, यूपी जैसे बड़े राज्यों में पिछला प्रदर्शन दोहरा सकता है। दूसरी तरफ इंडिया महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, राजस्थान और हरियाणा में मजबूत होता दिख रहा है। ओडिशा, तेलंगाना में भाजपा दोगुनी सीटें बढ़ा सकती हैं। यहां एनडीए को 21 सीटें मिलती दिख रही हैं, इसके अलावा इण्डिया को 3 सीटें मिल रही हैं। फिलहाल एनडीए के पास राज्य की सभी 25 सीटें हैं। 2019 में राज्य की 25 में से 24 सीटें भाजपा ने जीत ली थीं। एक सीट आरएलपी को मिली थी। कांग्रेस का राज्य से सफाया हो गया था। 29

सीटों वाले मध्य प्रदेश में एनडीए को 28-29 सीट मिलने जा रही हैं। इसके अलावा इण्डिया को 0-1 सीट मिलने जा रही हैं। बिहार राज्य की 40 सीटों में से एनडीए को 29-33 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं 7-10 सीटें इस चुनाव में इण्डिया को मिलने जा रही हैं। इसके अलावा 0-2 सीटें अन्य के खाते में जा रही हैं।उत्तर प्रदेश में एग्जिट पोल के मुताबिक एनडीए को 68, कांग्रेस को 10 और अन्य को 2 सीटें मिलती दिख रही हैं। छत्तीसगढ़ में एनडीए को 10-11 सीटें मिलने का अनुमान है तो वहीं इण्डिया को 0-1 सीट मिलती दिख रही है। दिल्ली में एग्जिट पोल के मुताबिक बीजेपी को 6 और इण्डिया को 1 सीट मिलती दिख रही हैं।पश्चिम बंगाल में एग्जिट पोल के मुताबिक एनडी को 26, ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को 15 और कांग्रेस-लेफ्ट को 1 सीट मिलती दिख रही हैं।हरियाणा में इस बार भाजपा को नुकसान होता दिख रहा है। एनडीए को 7 सीटें मिलती दिख रही हैं। जबकि, इण्डिया ब्लॉक को 3 सीटें मिल रही हैं। तमिलनाडु में भाजपा अभी शून्य पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा रैलियां यही की हैं। राज्य की 39 सीटों में से डीएमके को 16-18 सीट मिल सकती है। कांग्रेस को इस बार 6-8 सीट मिलने के आसार हैं। भाजपा को 5 से 7 मिल सकती है। एआईएडीएमके को 0-1 सीट मिलती नजर आ रही है। वहीं, अन्य के खातों में 8-10 सीटें जाती दिख रही हैं।जम्मू-कश्मीर की 5 सीटों में से भाजपा को 2 और नेशनल कॉन्फ्रेंस को 3 सीटें मिलती हुई दिख रही हैं। वहीं लद्दाख में भी कांग्रेस इस बार भाजपा पर बढ़त बनाती हुई दिख रही है। लद्दाख की एक सीट पर 2019 में जम्मू एवं कश्मीर में लोकसभा की 6 सीटें थीं। तब भाजपा ने 3 और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 3 सीटें जीती थीं। लद्दाख में 2019 में भाजपा ने एकमात्र सीट जीती थी। देश के 7 पूर्वोतर राज्य-अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड-में कुल 25 सीटें हैं। सर्वे के मुताबिक इन 25 सीटों में से एनडीए को 16-21, इण्डिया को 3-7 और अन्य को 1-2 सीटें मिलने का अनुमान है। असम में 2019 में भाजपा को 9, कांग्रेस को 3, एआईयूडीएफ और निर्दलीय को एक-एक सीट मिली थी।

कर्नाटक की 28 सीटों में एग्जिट पोल भाजपा को 18 से 22 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं, कांग्रेस को 4 से 8 सीट मिल रही है। जबकि जेडीएस को 1 से 3 सीट मिलती दिख रही है। तेलंगाना में 17 सीटों में से बीजेपी को 7-10 सीटें और कांग्रेस को पांच से आठ सीटें मिलने का अनुमान है। बीआरएस और एआईएमआईएम के भी तीन से पांच सीटें जीतने की उम्मीद है। उत्तराखंड एनडीए को 4-5 सीटें, इण्डिया को 0-1 सीट और अन्य को 00 सीटें मिलती दिख रही हैं।ओडिशा भाजपा राज्य में जबरदस्त सीटें हासिल करने जा रही है। राज्य में लोकसभा की 21 सीटें हैं और एनडीए को इनमें 18-20 सीटें मिलती नजर आ रही है। सत्ताधारी बीजद को 0-2 सीटें मिल सकती हैं। वहीं इंडिया गठबंधन को एक भी सीट नहीं मिल रही है। पंजाब की 13 में से 2 सीटें एनडीए गठबंधन और इंडिया ब्लॉक की कांग्रेस को 5 सीटें मिलने का अनुमान है। आप को 4 सीटें, शिरोमणि अकाली दल और अन्य को 2 सीट मिलने का अनुमान है। गुजरात की 29 सीटों भाजपा को मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य में भाजपा एग्जिट पोल में एक बार फिर से क्लीन स्वीप करती दिख रही है। हिमाचल एग्जिट पोल के मुताबिक बीजेपी को 3 कांग्रेस को 01 सीट मिलती दिख रही हैं। कुल मिलाकर जिस तरह से सर्व सामने आ रहे है वह इस बॉत का संकेत है कि एक बार फिर जनता ने ना-ना करके प्यार तुम्ही से कर बैठे गीत का इजहार मोदी सरकार के साथ किया है। ऐसे में अगर सर्व में कुछ उतार चढ़ाव आता है तब भी एक बार फिर देश में मोदी सरकार बनने जा रही है।

मतगणना कल,शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित मतगणना की पुख्ता तैयारी

04 जून को प्रातः 8 बजे से प्रारम्भ होगी मतगणना-रिणवा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। सीईओ नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की मतगणना 04 जून को प्रातः 8 बजे से प्रारम्भ होगी। मतगणना प्रदेश के 75 जनपदों में, 81 मतगणना केन्द्रों पर होगी। आगरा, मेरठ, आजमगढ, देवरिया, सीतापुर, कुशीनगर जनपद में मतगणना 02-02 केन्द्रों पर होगी। 08 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 03 जनपदों में, 37 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 02 जनपदों में तथा 35 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 01 जनपद में होगी।मीडिया से मुखातिब मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने रविवार को 04 जून को होने वाली मतगणना की तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी दी। पोस्टल बैलेट की मतगणना आरओ मुख्यालय जनपद के मतगणना स्थल में होगी। मतगणना विधानसभा क्षेत्रवार होगी। तत्पश्चात् लोकसभा क्षेत्र में समाहित विधानसभा क्षेत्रों के परिणाम का योगकर लोकसभा क्षेत्र का परिणाम घोषित होगा।12-गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र में समाहित 55-साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 1127 मतदेय स्थल होने के कारण सबसे अधिक 41 राउण्ड में मतगणना सम्पन्न होगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना हेतु 179 प्रेक्षक तैनात किये गये हैं। 15 प्रेक्षक को 01-01 विधानसभा क्षेत्र, 104 प्रेक्षक को 02-02 विधानसभा क्षेत्र तथा 60 को 03-03 विधानसभा क्षेत्र आवंटित किये गये हैं। 80 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना 80 रिटर्निंग आफ्सिर तथा 1581 सहायक रिटर्निंग आफ्सिर द्वारा सम्पन्न करायी जायेगी। 136-ददरौल शाहजहांपुर, 173-लखनऊ पूर्व लखनऊ, 292-गैंसड़ी बलरामपुर तथा सोनभद्र की 403-दुद्धी (सु.) विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना 04 रिटर्निंग आफ्सिर तथा 26 सहायक रिटर्निंग आफ्सिर द्वारा सम्पन्न करायी जायेगी। मतगणना एवं सीलिंग की कार्यवाही सीसीटीवी की निगरानी में की जायेगी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 में 851 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिसमें 771 पुरूष एवं 80 महिला है। सबसे अधिक 28 प्रत्याशी 70-घोसी लोकसभा क्षेत्र में तथा सबसे कम 4 प्रत्याशी 57-कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में हैं। मतगणना सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पर्याप्त मात्रा में केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बलों की तैनात की गयी है। अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा मतगणना प्रारम्भ होने के दिनांक से 03 दिन पूर्व सायं 5 बजे तक काउंटिंग एजेण्ट बनाये जाने हेतु प्रारूप-18 पर रिटर्निंग आफ्सिर के समक्ष आवेदन किया गया है। मतगणना एजेण्ट नियुक्त करने हेतु कोई योग्यता निर्धारित नहीं है। अभ्यर्थियों द्वारा 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को काउंटिंग एजेण्ट बनाया जा सकता है। केन्द्र,राज्य सरकार के मंत्रिपरिषद के सदस्यों, सांसदों, विधायकों, मेयर, नगर पालिका परिषद,नगर पंचायत के अध्यक्ष को काउंटिंग एजेण्ट बनाये जाने पर प्रतिबंध है। केन्द्र,राज्य सरकार से सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों को काउंटिंग एजेण्ट बनाये जाने पर प्रतिबंध है। ग्राम प्रधान, सरपंच, पंचायत सदस्यों, सभासद आदि को काउंटिंग एजेण्ट बनाये जाने के संबंध में कोई प्रतिबंध नहीं है, जो निर्वाचन क्षेत्र के निवासी हैं। अप्रवासी भारतीय भी काउंटिंग एजेण्ट बन सकता है। लोकसभा क्षेत्रों में पोस्टल बैलेट की गणना हेतु अतिरिक्त कक्ष का अनुमोदन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदान किया गया है। पोस्टल बैलेट की गणना हेतु होम वोटिंग एवं वोटर फैसिलिटेशन सेंटर पर प्राप्त पोस्टल बैलेट मतों की गणना प्रातः 8 बजे प्रारम्भ होगी तथा सर्विस वोटर से प्राप्त ईटीपीबीएस की स्कैनिंग भी प्रातः 8 बजे से प्रारम्भ की जायेगी। स्कैनिंग के उपरान्त ईटीपीबीएस मतों की गणना की जायेगी। ईटीपीबीएस की स्कैनिंग,प्री काउंटिंग हेतु 871 टेबल एवं पोस्टल बैलेट की मतों की गणना 794 टेबल पर की जायेगी। मतगणना स्थल की सुरक्षा हेतु त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लगायी गयी है। प्रथम स्तर की सुरक्षा मतगणना स्थल से 100 मीटर की परिधि पर होगी, जहां क्षेत्रीय पुलिस बल तैनात रहेगा। द्वितीय स्तर की सुरक्षा मतगणना स्थल के गेट पर होगी, जहां राज्य पुलिस बल तैनात रहेगी। तृतीय स्तर की सुरक्षा मतगणना हॉल के लिए होगी जो कि सीएपीएफ की निगरानी में होगी। मतगणना स्थल परिसर में मीडिया सेंटर स्थापित किया जा रहा है। सूचना विभाग से 01 अधिकारी मीडिया सेंटर का प्रभारी रहेगा। आरओ द्वारा नियुक्त अधिकारियों द्वारा समय-समय पर छोटे समूहों में मीडिया बन्धुओं को कुछ समय के लिए मतगणना हाल का भ्रमण भी कराया जायेगा। मतगणना हाल के भीतर भारत निर्वाचन आयोग से जारी मीडिया पास धारक मीडिया कर्मी को ही बिना स्टैण्ड का कैमरा ले जाने की अनुमति होगी। मीडिया बन्धुओं को मीडिया सेंटर पर मोबाइल प्रयोग किये जाने की अनुमति रहेगी। प्रत्येक मतगणना स्थल पर पब्लिक कम्युनिकेशन कक्ष भी स्थापित किया जा रहा है, जहां पर प्रत्याशी व उनके एजेण्ट आवश्यकता पड़ने पर मोबाइल फोन का प्रयोग कर सकते हैं तथा उनके फोन सुरक्षित रखे जाने की व्यवस्था भी की जा रही है। प्रत्येक मतगणना हॉल में 01 ब्लैक बोर्डव्हाइट बोर्ड की व्यवस्था की जायेगी जिसमें प्रत्याशियों के नाम व राउण्डवार परिणाम लिखा जाएगा ताकि मतगणना एजेण्ट उसे देख सकें।

एग्जिट पोल पर अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया, कहा,भाजपाई एग्जिट पोल के जरिए जनमत को दिया जा रहा धोखा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव के 'एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) को भाजपाई एग्जिट पोल करार देते हुए रविवार को कहा कि ''घपला करने की गुंजाइश बनाने के लिए की गई इस कवायद के जरिए जनमत को धोखा दिया जा रहा है। यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई टिप्पणी में कहा कि एग्जिट पोल का क्रम समझिए- विपक्ष ने पहले ही घोषित कर दिया था कि 'भाजपाई मीडिया भाजपा को 300 पार दिखाएगा, ताकि घपला करने की गुंजाइश बन सके। आज का ये 'भाजपाई एग्जिट पोल कई महीने पहले ही तैयार कर लिया गया था। इसे चौनलों ने बस आज चलाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस 'एग्जिट पोल के माध्यम से जनमत को धोखा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस 'एग्जिट पोल को आधार बनाकर भाजपाई सोमवार को खुलने वाले शेयर बाजार से जाते-जाते लाभ उठाना चाहते हैं।

अखिलेश ने कहा कि अगर ये 'एग्जिट पोल झूठे न होते और सच में भाजपा हार न रही होती तो भाजपा नेता अपनों पर ही इल्जाम न लगाते। भाजपाइयों के मुरझाए चेहरे सारी सच्चाई बयान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता यह बात समझ रहे हैं कि पूरे देश का परिणाम चंडीगढ़ के महापौर पद के चुनाव की तरह बदला नहीं जा सकता क्योंकि इस बार विपक्ष पूरी तरह से सजग है और जनाक्रोश भी चरम पर है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा से मिले हुए भ्रष्ट अधिकारी भी उच्चतम न्यायालय की सक्रियता देखकर धांधली करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। साथ ही वे जनता के क्रोध का भी शिकार नहीं होना चाहते। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 'इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और प्रत्याशी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की निगरानी में एक प्रतिशत भी चूक न करें। 'इंडिया गठबंधन जीत रहा है इसलिए चौकन्ने रहकर मतगणना कराएं और जीत का प्रमाणपत्र लेकर ही विजय का उत्सव मनाएं। उन्होंने साथ ही कहा कि 'एग्जिट पोल का आधार ईवीएम नहीं डीएम (जिलाधिकारी) है। उन्होंने कहा कि प्रशासन याद रखे कि जनशक्ति से बड़ा बल और कोई नहीं होता लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद आए कई एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है।

अस्पताल में घुसकर रिसेप्शनिट का गला दबा की अश्लील हरकत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। चौक कोतवाली में एक निजी अस्पताल की रिसेप्शनिट ने शोहदे के खिलाफ शिकायत देते हुए छेड़खानी की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई। पीड़िता का आरोप है कि अस्पताल में घुसकर शोहदे ने उसका गला दबा दिया। इसके बाद शोहदा उससे अश्लील हरकत कर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकला। फिलहाल, पुलिस शोहदे को हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी है।मूलरुप से बाराबंकी जनपद रहने वाली युवती (25) चौक कोतवाली अंतर्गत एक निजी अस्पताल में लगभग तीन वर्षो से रिसेप्शनिट की नौकरी करती है। युवती का कहना है कि अस्पताल में अतीक अहमद का आना-जाना है। उसका आरोप है कि शनिवार की शाम वह अस्पताल में एक मरीज का बिल बना रही थी तभी अतीक अहमद ने उसे दो बार कॉल की। व्यस्तता के चलते उसने अतीक का फोन रिसीव नहीं किया। इसके कुछ क्षण बाद अतीक अस्पताल में पहुंचा और उससे गाली-गलौज करने लगा। युवती के विरोध करने पर आरोपी ने उसका गला दबा दिया। इसके बाद आरोपी उससे अश्लील हरकत कर मौके से भाग निकला। यह आरोप लगाते हुए युवती ने चौक कोतवाली में तहरीर दी। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने शोहदे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 9 लाख की हुई ठगी,साइबर जालसाजों ने 30 घंटे रखा डिजिटल अरेस्ट

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में साइबर जालसाजों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर से लगभग 9 लाख की ठगी कर ली। ठगों ने इंजीनियर को साइबर क्राइम का ऑफिसर बनकर कॉल किया। इसके बाद उनको करीब 30 घंटे के लिए डिजिटल अरेस्ट कर लिया। इस दौरान उसको बैंक भेज कर रुपए ट्रांसफर करवाए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-8, विकास नगर के रहने वाले अश्वनी वर्मा कैप जेमिनी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं। 16 मई को सुबह करीब 11 बजे उनके पास आदित्य नाम के व्यक्ति की कॉल आई। जिसने खुद को कस्टम डिपार्टमेंट का कर्मचारी बताया। बोला, आपके आधार कार्ड पर फेडेक्स कंपनी के पार्सल में ड्रग्स पाया गया है। जिसकी जांच की जा रही है। इसके बाद कॉल दूसरे व्यक्ति पर ट्रांसफर कर दी। कॉल रिसीव करने वाले ने खुद को साइबर क्राइम का ऑफिसर राजेश प्रधान बताया। इसके बाद उनसे बोला, इस आधार पर बहुत सारे बैंक अकाउंट लिंक है। जिससे मनी लॉन्ड्रिंग की जाती है। डराते धमकाते हुए जालसाज ने बोला कि मुंबई आओ 28 दिन की रिमांड पर लेंगे। अश्विनी जब बहुत बुरी तरह घबरा गए तब उनसे स्काइप एप्लीकेशन डाउनलोड कराई। एक आईडी से जोड़कर बयान रिकॉर्ड कराने की बात कही। पीड़ित ने बताया, जालसाज ने बैंक की पूरी डिटेल लेकर पैसा ट्रांसफर करने को कहा। साथ ही कहा, जांच के बाद पैसा वापस हो जाएगा। अश्वनी ने बताया, जब पैसा ट्रांसफर करने बैंक गया। तब तक साढ़े 3 बज चुके थे। इस वजह से बैंक ने पैसा ट्रांसफर करने से मना कर दिया। पीड़ित ने बताया, 17 मई को सुबह 9.00 बजे ही फिर से जालसाजों ने बैंक जाने के लिए कहा। अश्विनी ने बैंक जाकर 9 लाख 23 हजार 800 ट्रांसफर कर दिए। साइबर जलसाजों ने पूरे 30 घंटे अश्वनी को डिजिटली अरेस्ट रखा। अश्विनी घर में अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। इतना डर गए कि उनसे भी कुछ नहीं बताए। पीड़ित ने बताया, अगर वो हल्का सा हटते तो जालसाज घर पर पुलिस भेजने की धमकी देकर वापस बैठा लेते। अश्वनी ने बताया, साइबर जलसाजों ने पैसा ट्रांसफर कराने के बाद बताया कि तुम्हारे साथ फ्रॉड हो गया है। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गर्रा नदी में डूबने से युवक की मौत

हरदोई। जिले में शनिवार को गांव के बाहर भैंस चराने गए युवक का शव का रविवार की सुबह नदी में किनारे पड़ा मिला। युवक की पानी में डूबने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया। जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुट गई है। लोनार थाना क्षेत्र के ग्राम ठेहापुर निवासी अनमोल (20) पुत्र चंद्रसेन शनिवार की सुबह घर से भैंस चराने के लिए निकला था। जिसके बाद वो शाम तक घर नहीं पहुंचा तो घर वालों ने तलाश भी की। रविवार की सुबह उसका शव बरामद हुआ है। घटनास्थल के पास से गर्रा नदी निकली हुई है। गर्रा नदी किनारे बने कुंड में डूबने से युवक की मौत हो गई। अनमोल जब शाम तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रविवार की सुबह जब यह लोग कुंडा के पास पहुंचे तो देखा कि अनमोल के कपड़े चप्पल और लाठी रखी दिखाई दी, जिससे अनुमान लगाया गया की इसी कुंड में वह डूब गया है। घटना की जानकारी होने के बाद पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस ने परिजनों के साथ तलाश शुरू की तो शव मिल गया। जिसके बाद युवक के शव को बाहर निकलवाया गया।

लोन दिलाने के नाम पर महिलाओं से ठगी, रुपए मांगने पर आरोपी ने धमकाया

उन्नाव। जनपद में महिलाओं को लोन दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित महिलाओं ने युवक से पैसे लौटाने की बात कही तो उसने धमकाया ओर जान से मारने की धमकी दी। जिससे परेशान महिलाएं एक साथ कोतवाली पहुंची और उन्होंने मामले की लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है। कोतवाली क्षेत्र के ख्वाजगीपुर करोवन मोड़ की रहने वाली कृष्णावती पत्नी बब्लू अपनी साथी रेनू, अनिता, सन्नो, राधा, गुड्डी, रामवती के साथ थाना कोतवाली पहुंची। प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि विश्वास फाईनेस्ट प्राइवेट लिमिटेड जयपुर की शाखा में एजेंट के तौर पर कार्यरत थी। जिसमें गांव की 8 महिलाओं को लोन दिलाने के नाम पर 2720 ओर 250 रुपए सभी महिलाओं से जमा कराए थे। अब जब देवेंद्र नाम के युवक को पैसों की वापसी को लेकर फोन किया तो बात नहीं हुई। जिसके बाद महिलाएं सीधे एबी नगर स्थित कार्यालय पहुंची वहां भी कोई मिला। महिलाओं ने देवेंद्र से फोन से संपर्क किया तो जान से मारने की धमकी दी। महिलाओं का आरोप है कि उन्हें प्रलोभन देकर ठगने का काम किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया की प्रार्थना पत्र मिला है। जिस पर आरोप है उससे सम्पर्क कर जांच की जाएगी। जो तथ्य मिलेंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जंगल में लटका मिला शव,पुलिस कर रही मामले की जांच

हरदोई। जिले में कोतवाली क्षेत्र कछौना के अंतर्गत ग्राम सुजानपुर के जंगल में एक व्यक्ति का शव बबूल के पेड़ से लटकता मिला। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने जब शव लटकता देखा तो स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर पहुंची कछौना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली कछौना के ग्राम सुजानपुर के जंगल में एक व्यक्ति का शव बबूल के पेड़ में लटकता चारवाहों ने देखा। चारवाहों ने कछौना पुलिस को सूचना दी। कछौना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। मृतक ने गमछे से बबूल के पेड़ में फांसी लगाई है। युवक सफेद रंग की शर्ट और काली पैंट पहने है। कद सामान्य है। शव एक सप्ताह पुराना लग रहा है। कोतवाली कछौना लोन्हारा कटियामऊ में वन विभाग का घना जंगल है। पूर्व वर्षो से अज्ञात लाश मिलने का सिलसिला चल रहा है। अक्सर आपराधिक प्रवृत्ति के लोग घने जंगल में घटना को अंजाम देते हैं और यहां लाश फेंक जाते हैं। आसपास के गांव के चरवाहों के माध्यम से पुलिस प्रशासन को जानकारी मिलती है। कछौना पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर बैक-क्लर्क ने पीया ऑल-आउट,गंभीर हालत में एम्स रेफर

रायबरेली। जनपद में रविवार को निजी बैंक में कार्यरत युवती ने पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर ऑल आउट पी लिया। ऑल आउट पीने से युवती की हालत बिगड़ गई तो परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर रायबरेली एम्स रेफर कर दिया। मामला शहर कोतवाली इलाके के शांति नगर मोहल्ले का है। यहां की रहने वाली रुचि सिंह निजी बैंक में क्लर्क के पद पर तैनात हैं। होली से दो दिन पहले वह बैंक से घर जा रही थी तभी उनकी ऑल्टो कार की रिक्शा से टक्कर हो गई थी। रिक्शा चालक ने ऑल्टो चला रही रुचि सिंह पर मुकदमा दर्ज कराया था। इसी मामले की विवेचना के लिए शहर कोतवाली में तैनात दरोगा अनिल तोमर बयान दर्ज कराने के लिए रुचि सिंह को कई बार बुला चुके थे। रुचि की मां शोभा सिंह ने बताया कि दरोगा ने धमकी दी थी के अगर वह बयान नहीं देगी तो जेल चली जाएगी। इसी से आहत होकर उनकी बेटी ने जहर खा लिया। सीओ सदर अमित सिंह ने बताया कि एक मामले में मुकदमा दर्ज था। जिसके बाबत रुचि सिंह से लगातार दरोगा संपर्क कर रहे थे, लेकिन वो मिल नहीं रही थी।

डीसीएम चालक की मऊ में मौत,जेब में मिले आधार कार्ड से हुई पहचान

रायबरेली। रायबरेली के महराजगंज के डीसीएम चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह लखनऊ से भाड़ा लेकर मऊ गया था। जहां हार्ट अटैक आने से उसकी मौत हो गई। चालक की मौत की सूचना परिजनों को मिलते ही कोहराम मच गया।

तालाब में पलटी ट्रैक्टर ट्राली, चालक की मौत, बाल-बाल बचे दो मजदूर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोण्डा। खेत में खाद गिराने जा रहे ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर सड़क के बगल तालाब में पलट गया। ट्रैक्टर पलटता देख उस पर सवार दो मजदूर ट्रैक्टर से नीचे कूद गए जबकि चालक ट्रैक्टर के नीचे दबकर गंभीर रूप घ्से घायल हो गया। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गयी। खरगूपुर थाना क्षेत्र के नरायनपुर गांव निवासी ट्रैक्टर चालक समयदीन मौर्य(30) पुत्र संतराम मौर्य मजदूर धीरज व बाबू के साथ खेत में खाद गिराने जा रहे थे। वह ट्रैक्टर लेकर गांव से नंदनगर गांव वाले मार्ग पर स्थित तालाब के पास पहुंचा ही था कि अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर तालाब में जाकर पलट गया। ट्रैक्टर पलटता देख दोनों मजदूर नीचे कूद गए,जबकि समयदीन ट्रैक्टर के नीचे दबकर घायल गंभीर रुप से घायल हो गया। ग्रामीणों की मदद से उसे आधे घंटे के परिश्रम के बाद बाहर निकाला जा सका। परिजनों ने घायल को स्थानीय सीएचसी भिजवाया,जहां स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टर ने जिलामुख्यालय रेफर कर दिया। यहां भी हालत में सुधार न होने पर डॉक्टर ने ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय करनैलगंज के पास समयदीन की मौत हो गई। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा है।

इस दुर्घटना में हुई समयदीन की मौत से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी व बच्चों सहित परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मृतक ट्रैक्टर मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा था। समयदीन की मौत ने उसकी तीन बेटियों पूनम(9), सुमन(7) व सुशील (18 माह) के सिर से पिता का साया छीन लिया है।

दीवार फांदकर घर में घुसे चोर, बक्से का ताला तोड़ उठा ले गए नकदी और जेवर

गोण्डा। धानेपुर थाना क्षेत्र के बिहुरी चौराहे पर शनिवार की रात अज्ञात चोर दीवार फांदकर एक घर में घुस गए और कमरे में रखे बक्से का ताला तोड़कर नकदी,जेवर व अन्य सामान उठा ले गए। पीड़ित परिवार के मुताबिक चोर करीब दो लाख रुपये कीमत के जेवर व सामान ले जाने में कामयाब रहे। घटना की सूचना पुलिस को दी गयी है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की बात कर रही है। धानेपुर थाना क्षेत्र ग्राम पंचायत विहुरी चौराहा के रहने वाले दुबैश कुमार पांडेय ने तहरीर देकर कहा कि शानिवार की रात को उनके घर के पीछे से ईट रखकर दिवाल पर चढ़ कर अज्ञात चोरों द्वारा घर का ताला तोड़कर घर में रखा मोबाइल फोन वह दो बक्से का ताला तोड़कर उसमे जेवरात वह नगदी उठा ले गए। पीड़ित का कहना है कि जब परिवार के लोग सो उठे तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और दो बक्से का समान बिखरा हुआ है।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने वीसी कर दिए निर्देश-हीट वेव को देखते हुए कोल्ड रूम में रखें पर्याप्त इंतजाम

अयोध्या। गर्मी के प्रभाव से पैदा होने वाली बीमारियों के प्रबंधन को लेकर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से जिले के चिकित्साधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने हीट वेव को लेकर जिले के सभी अस्पतालों में कोल्ड रूम में पर्याप्त व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अग्निशमन विभाग से अस्पतालों में फायर ऑडिट कराने के भी निर्देश दिए हैं। सुबह 11 बजे शुरू हुई वीसी के दौरान सीएमओ डॉ. संजय जैन, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार के अलावा अन्य अस्पतालों के चिकित्साधिकारी भी जुड़े थे। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी ने अस्पतालों में कोल्ड रूम में डीजिटल व रेक्टर थर्मामीटर, ओआरएस पैकेट्स, पैरासिटामॉल टेबलेट्स, आरएल, एनएस व डीएनएस बॉटल्स के पर्याप्त इंतजाम करने व पंखे, कूलर, एसी और कोल्ड पैक्स की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने तीमारदारों के लिए भी पर्चा व दवा काउंटर के पास ठंडे पानी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई बार देखा गया है कि आग लगने की घटनाएं शॉर्ट सर्किट के कारण ही होती हैं। इसे देखते हुए इलेक्ट्रिकल सेफ्टी इंस्पेक्टर व अस्पतालों का तत्काल इलेक्ट्रिकल सेफ्टी ऑडिट कराना सुनिश्चित करें। विद्युत खपत को कम करने के लिए अनावश्यक रूप से संचालित प्वाइंट व स्विच को बंद रखा जाए। सीएमओ डॉ. संजय जैन ने बताया कि बैठक के दौरान हीट वेव को लेकर मिले निर्देशों पर काम कराया जा रहा है।

प्रेमी ने पति का रेता गला, पत्नी हाथ पकड़े रही

प्रयाग दर्पण संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव में पेंटर की हत्या उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी से गला रेतकर करवाई थी। वारदात के समय वह पति का हाथ पकड़े थी, जिससे वह विरोध न कर पाए। महिला का तीन साल से अफेयर चल रहा था। पति को यह बात पता चल गई थी। वह पत्नी पर रोक लगाने लगा था। उसे मिलने और बात करने को रोकता था। इसी वजह से पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मारने का प्लान बनाया। रविवार को पुलिस ने पेंटर हत्याकांड का खुलासा करते हुए यह बात बताई। पत्नी के बार-बार बदलते बयानों से पुलिस को उस पर शक हुआ। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पहले तो टाल-मटोल करती रही, लेकिन सख्ती करने पर जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया- प्रेमी ने फरसे से पति की गर्दन रेत दी। मैंने उसका हाथ पकड़ा था और प्रेमी ने फरसे से हमला किया। पुलिस ने पत्नी और प्रेमी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। मामला मौरावां थाना क्षेत्र का है। दिगपालगंज गांव के रहने वाले पेंटर बेचालाल कश्यप का घर की छत पर शुक्रवार रात खून से लथपथ शव मिला था। गले पर धारदार हथियार से रेतने के निशान थे। बेचालाल के पिता बिंदा प्रसाद ने तहरीर देकर अज्ञात पर हत्या का केस दर्ज कराया था। हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस ने बेचालाल की पत्नी रेखा से जब पूछताछ की, तो वह बार-बार अपना बयान बदल रही थी। इससे पुलिस का शक उस पर और गहरा हो गया। फिर उसे हिरासत में लेकर थाने लाकर उससे पूछताछ की गई। पुलिस की पूछताछ में पत्नी रेखा ने वारदात करना कबूल कर लिया। उसके बाद पुलिस ने रेखा के प्रेमी संजय कुमार कोरी को भवरेश्वर मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया। संजय रायबरेली थाना बछरावां के सुदौली गांव का रहने वाला है। उसने बताया, 3 साल से उसका रेखा से अफेयर चल रहा है। संजय मिलने के लिए अक्सर रेखा के घर आता-जाता था। दोनों ने शादी करने की योजना बनाई थी। पति बेचालाल विरोध करता था। रेखा से कहता था- मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। तुमने मेरे साथ शादी की है, मेरा तुम पर हक है। उसने रेखा का घर से बाहर निकलना भी बंद करा दिया था। उसे ज्यादा किसी से बात नहीं करने देता था। इससे रेखा को लगने लगा कि उसकी शादी संजय से नहीं हो पाएगी। उसने यह बात संजय को बताई। इसके बाद दोनों ने बेचालाल को मारने का प्लान बनाया।शुक्रवार रात चुपके से रेखा ने घर का दरवाजा खोल दिया। उस समय परिवार के दूसरे लोगों के अलावा बेचालाल भी सो रहा था। वह छत पर लेटा था। परिवार के अन्य लोग नीचे सो रहे थे। रेखा, अपने प्रेमी संजय को घर के अंदर ले गई। छत पर जाते ही संजय ने फरसा निकाल कर बेचालाल का गला रेतना शुरू कर दिया। साथ ही बेचालाल के मुंह पर हाथ रख दिया, जिससे चिल्ला न सके। रेखा ने उसका हाथ पकड़ा था, जिससे वह विरोध न कर सके। बेचालाल के मरने के बाद रेखा कभी अपने पति का हाथ पकड़ती तो कभी पैर। जब उसको और संजय को यह यकीन हो गया कि बेचालाल मर चुका है तो चुपके से संजय घर से बाहर निकल आया। रेखा ने घर का दरवाजा बंद कर दिया और अंदर आकर सो गई। पुलिस ने हत्यारोपियों की निशानदेही पर फरसा भी बरामद कर लिया है।

शिकंजे में आए समदा झील के तीन शिकारी पुलिस के हवाले

अयोध्या। समदा पक्षी विहार में शिकार करते पकड़े गए तीन आरोपियों को पूराकलंदर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। इनकी जांच पड़ताल के बाद पुलिस केस पंजीकृत कर कार्रवाई करेगी। सौंदर्यीकरण के दौर से गुजर रही विकास प्राधिकरण की इस झील की मछलियां और प्रवासी पक्षियों के शिकार पर रोकथाम को लेकर महीनों से कवायद चल रही है। अब तक कई बार छापे में दर्जन भर से ज्यादा शिकारी पकड़े गए लेकिन इन पर कोई कड़ी कार्रवाई नही हो पाई। जिम्मेदारी संभाल रहा वन विभाग हर बार इन्हें पुलिस के हवाले कर अपना पल्लू झाड़ लेता है। वह पैरवी के पचड़े में पड़ने से बचता रहा है। पुलिस इनका शांति भंग में चालान कर इति श्री करती आई है। रविवार की सुबह ही वन विभाग की टीम ने ऐसे तीन शिकारियों को झील पर पकड़ा और पूरकलंदर थाने की पुलिस को जांच पड़ताल और कार्रवाई के लिए सौंपा है। उप जिला अधिकारी अशोक कुमार सैनी ने बताया कि झील की सुरक्षा और कार्रवाई के लिए पूरा कलंदर पुलिस को निर्देशित किया गया है। इन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इनकमिंग फीडर में खराबी से 10 घंटे तक गुल रही इटियाथोक की बिजली, 23 हजार लोगों ने झेली भीषण गर्मी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोण्डा। इटियाथोक पावर हाउस का इनकमिंग फीडर ओवरलोड होने के कारण रात दो बजे अचानक बैठ गया। फीडर में आई खराबी से पूरे इलाके की बिजली गुल हो गयी। करीब 23 हजार बिजली उपभोक्ता कई घंटे तक बिजली न मिलने से हलकान रहे। उपभोक्ताओं के आक्रोश को देखते हुए रविवार दोपहर बाद वैकल्पिक व्यवस्था कर आपूर्ति बहाल की गयी। फिलहाल फीडर की मरम्मत का काम चल रहा है। बिजली विभाग के अफसरों का कहना है फीडर में आई तकनीकी खराबी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा हैघ्। देर शाम तक उसे ठीक कर लिया जायेगा। नौतपा में पड़ रही भीषम गर्मी के बीच जिले की बिजली व्यवस्था भी पटरी से उतर गयी है। बिजली की बढ़ी खपत के कारण पावर हाउस की मशीनों ओवरलोड होकर खराब हो रही हैं और जिससे आपूर्ति में बाधा पहुंच रही हैघ्। मेहनौन क्षेत्र के धानेपुर, मेहनौन व इटियाथोक उपकेंद्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। मेहनौन उपकेंद्र जाने वाली अंडरग्राउंड केबिल एक सप्ताह में दो बार जल चुकी है। वहीं रविवार की सुबह करीब दो बजे इटियाथोक उप केंद्र का इनकमिंग फीडर ओवरलोड के चलते अचानक बैठ गया। इस खराबी के कारण इटियाथोक उपकेंद्र से संचालित होने वाले पावर हाउस ईस्ट, साउथ, बलरामपुर, खरगुपुर और पेट्रोल पम्प के नाम से कुल पांच फीडरों की बिजली गुल हो गयी और पूरे इलाके में अंधेरा छा गया। रात में बिजली कर्मियों ने फीडर की मरम्मत का काम शुरू किया लेकिन सुबह 11 बजे तक उसकी खामी नहीं पकड़ सके।उपभोक्ताओं के आक्रोश को देखते हुए दोपहर बाद वैकल्पिक व्यवस्था कर पावर हाउस को दूसरी लाइन से जोड़ा गया और आपूर्ति बहाल की गयी। इस दौरान करीब 10 घंटे तक उप केंद्र के 23 हजार उपभोक्ता हलकान रहे। उपकेंद्र के अवर अभियंता अजय गुप्ता ने बताया की ओवरलोड के चलते रात मे पावर हाउस के इनकमिंग फीडर में तकनीकी खराबी आ गई है। उसे ठीक कराया जा रहा है।नौतपा में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण बिजली की खपत बढ़ी है। इस बढ़ी खपत से ओवरलोडिंग और लो वोल्टेज की समस्या हो रही हैघ्। जिसके चलते लोगों को अघोषित बिजली कटौती का सामना भी करना पड़ रहा है। क्षमता से अधिक लोड होने पर लाइन में खराबी के साथ एबीसी केबल व ट्रांसफार्मर में आग लगने की घटनायें भी हो रही हैं। साथ ही पावर हाउस के उपकरण भी अधिक गर्म हो रहे है। इटियाथोक उप केंद्र के अवर अभियंता अजय कुमार का कहना है कि पावर हाउस में दो ट्रांसफर्मर लगे हैं। 10 एमवीए ट्रांसफॉर्मर की क्षमता 525 एंपियर है लेकिन शाम को इसका लोड 600 एंपियर के पार चला जा रहा है। इसी प्रकार 5 एमवीए ट्रांसफर्मर की क्षमता 262 एंपियर है। शाम को इसका लोड 270 एंपियर के पार हो रहा है। अधिक लोड पड़ने से पावर हाउस का दोनों ट्रांसफर्मर हीट हो रहे हैं। इन्हे सुरक्षित रखने के लिए बिजली कटौती करनी पड़ रही है। वहीं दूसरी तरफशाम को अधिक लोड बढ़ने से लाइन खराबी, लो वोल्टेज, सिंगल फेसिंग, तार टूटना, जम्पर कटना आदि समस्यायें भी हो रहीं हैघ्। फिलहाल बिजली कर्मी लगातार इन खामियों को दुरुस्त करने में जुटे हैं।

मतगणना में त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा, दो हजार जवानों की तैनाती

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। चार जून को मतगणना त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में कराई जाएगी। इस त्रिस्तरीय घेरे में पुलिस के साथ पीएसी व पैरामिलिट्री के जवान भी शामिल होंगे। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के लिए 2000 जवान तैनात किए जाएंगे। साथ ही 100 मीटर के दायरे में जुलूस-जश्न पर पाबंदी भी लगाई जाएगी। मतगणना के दौरान मुंडेरा मंडी परिसर व आसपास का एरिया छावनी में तब्दील किया जाएगा। पुलिस विभाग ने सुरक्षा संबंधी प्लान फाइनल कर लिया है।इसके तहत मतगणना के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा। इसमें सुरक्षा की दृष्टि से तीन कार्डन बनाया जाएगा। इन्हें आइसोलेशन कार्डन, इनर कार्डन व आउटर कार्डन का नाम दिया जाएगा। आइसोलेशन कार्डन में एसएसबी के जवान तैनात होंगे। यह कार्डन स्ट्रॉन्ग रूम से लेकर मतगणना टेबलों तक सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। इसका काम स्ट्रॉन्ग रूम से ईवीएम निकलने से लेकर मतगणना टेबलों तक सकुशल पहुंचाया जाना व मतगणना टेबलों तक अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश रोकना होगा।इसके बाद इनर कार्डन होगा,जिसमें पीएसी के जवानों को तैनात किया जाएगा। इन जवानों को मतगणना टेबलों से अलग सेक्टर वाइज तैनात किया जाएगा। आउटर कार्डन में पुलिस के जवान तैनात किए जाएंगे। यह कार्डन मतगणना स्थल के इंट्री गेटों पर लगाया जाएगा। इसमें राजपत्रित अधिकारियों के साथ ही अराजपत्रित पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।यह कार्डन मतगणना स्थल के बाहर आसपास के 100 मीटर के दायरे में भी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होगा। इस कार्डन में चार पुलिस उपायुक्त, चार अपर पुलिस उपायुक्त, 17 सहायक पुलिस आयुक्त भी शामिल किए गए हैं। इसके अलावा इंस्पेक्टर से लेकर आरक्षी तक करीब 1500 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे।300 से ज्यादा यातायात पुलिसकर्मी भी सुरक्षा के साथ-साथ मतगणना के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 300 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। कुल 325 यातायात पुलिसकर्मियों को अलग-अलग स्थानों पर मुस्तैद किया जाएगा। इनमें 25 यातायात निरीक्षक, 50 यातायात उपनिरीक्षक और 150 आरक्षी व मुख्य आरक्षी शामिल हैं। मतगणना के दौरान जीटी रोड पर डायवर्जन भी लागू किया जाएगा।

अधिवक्ता संघ अध्यक्ष की शवयात्रा निकलने के आरोपी वकीलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिला अदालत में वादकारी दंपती से मारपीट और सिविल जज से दुर्व्यवहार मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर सीसीटीवी फुटेज की जांच में

सीसीटीवी फुटेज में पहचाने गए दस वकील
1.सैयद आफताब अहमद
2.महताब अहमद
3. संजीव सिंह
4.रितेश श्रीवास्तव
5.रवि सोनकर
6.आदर्श शुक्ला
7.विकास सिंह
8. ऋषभ सिंह
9.सत्यवान सिंह

प्रकाश में आए वकीलों और जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष के बीच रार बढ़ गई है। अपराधिक अवमानना के आरोपी बनाए गए दो वकीलों के खिलाफ जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ने एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप लगाया है कि हाईकोर्ट के अधिवक्ता रितेश श्रीवास्तव और संजीव सिंह ने उनका सांकेतिक रूप से उनकी शवयात्रा निकाली है। जान से मारने की धमकी दी है।अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद मिश्रा रज्जू ने सिविल लाइंस थाने में आरोपी अधिवक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। उनका कहना है कि आरोपियों ने सांकेतिक रूप से उनकी शव यात्रा निकला, जिससे उनकी प्रतिष्ठा पर आंच आई है। आरोपी अधिवक्ताओं के खिलाफ जिला अधिवक्ता संघ ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को भी पत्र लिख कर करवाई करने का अनुरोध किया है।

संक्षिप्त समाचार

सैनिक सम्मेलन का आयोजन

प्रयागराज।श्रीमान पुलिस उपायुक्त यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा पुलिस लाइन के त्रिवेणी सभागार में सैनिक सम्मेलन का आयोजन कर यमुनानगर जोन के पुलिसकर्मियों की समस्याओं को सुना गया एवं उनके त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस मौके पर अपर पुलिस उपायुक्त यमुनानगर,समस्त सहायक पुलिस आयुक्त व अन्य संबंधित मौजूद रहे।

थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा गोष्ठी

प्रयागराज। दिनांक-02.06.2024 को पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन स्थित त्रिवेणी सभागार में गंगानगर जोन के समस्त सहायक पुलिस आयुक्त व थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा गोष्ठी कर लम्बित विवेचनाओं के त्वरित निस्तारण व अपराध नियंत्रण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

शिक्षिका ने साथी शिक्षक पर लगाया छेड़खानी का आरोप, एसिड अटैक की धमकी, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज।भारत स्काउट गाइड कॉलेज की शिक्षिका ने साथी शिक्षक उपेंद्र कुमार सिंह पर छेड़खानी और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। थाने में दिए तहरीर में शिक्षिका ने कहा कि शिक्षक उसके विद्यालय में ही सामाजिक विज्ञान के शिक्षक के रूप में तैनात है और अक्सर उससे अश्लील हरकत करते हुए छेड़खानी करता है। कई बार चेतावनी के बाद भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। ज्यादा विरोध करने पर वह मारपीट करने और चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी भी दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

दो लोगों की मौत,हीट स्ट्रोक से जान जाने की आशंका, पुलिस को सूचना दिये बिना परिजन शव ले गए

अमेठी। अमेठी के कमरौली थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध परिस्थितियों में दो लोगों की मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव को अपने घर लेकर रवाना हो गए। फ्लिहाल दोनों की मौत की वजह हीट स्ट्रोक बताई जा रही है। एक मृतक अधेड़ हाईवे की तरफ जा रहा था, जहां उसकी अचानक गिरने से मौत हो जबकि युवक की अपने मकान के पास ही सड़क पर गिरने से मौत हो गई। दरअसल, आज कमरौली थाना क्षेत्र के दो अलग अलग स्थानों पर एक युवक और एक अधेड़ का शव मिलने से हड़कंप मच गया। कमरौली थाने के अशरफाढ़ कठौरा गांव के रहने वाले 50 वर्षीय रामकिशोर शनिवार की देर शाम गांव से गुजरने वाले हाईवे पर किसी काम से पैदल जा रहे थे, जहां अचानक गश खाकर गिर पड़े। राम किशोर को गिरा देख स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे तब तक उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव को लेकर घर चले गए। दूसरी घटना कमरौली थाना क्षेत्र के क्षेत्र के गेट नंबर 2 की है, जहाँ रायबरेली जिले जगतपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला 40 वर्षीय युवक राकेश वर्मा यूपीसीडा कॉलोनी में किराए पर रहता था। आज दोपहर में अचानक सड़क पर गिर पड़ा। गिरते ही राकेश की भी मौत हो गई।सूचना के बाद पहुंचे परिजन राकेश का शव लेकर घर चले गए। कमरौली एसओ अध्भिनेष कुमार ने बताया कि मौत की सूचना पर पुलिस मौके पर गई थी। परिजनों को काफी समझाया बुझाया गया लेकिन परिजन पोस्टमॉर्टम कराने के लिए तैयार नहीं हुए और शव लेकर घर चले गए।

काशी में बिना बरसे ही लौट गए बादल

वाराणसी। नौतपा के नौवें दिन वाराणसी में आज तड़के सुबह धूल भरी आंधी चली। वहीं, जौनपुर सहित कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। वाराणसी में आसमान को काले बादलों ने घेर रखा था। हवा 50 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से बही।

लूट के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त थाना शंकरगढ़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज।थाना शंकरगढ़ पर पंजीकृत मु0अ0सं0 046/2024 धारा 342/392 भा0द0वि0 से सम्बन्धित 02 अभियुक्त 1.रोहित यादव उर्फ दारा सिंह पुत्र रामबिहारी यादव निवासी अमकछा थाना मेजा जनपद प्रयागराज 2.विकास पाल पुत्र दिनेश पाल निवासी रत्यौरा मोड़ थाना कोरांव जनपद प्रयागराज को दिनांक 01.06.2024 को मुखबिर की सूचना पर नारीबारी-खीरी रोड थाना क्षेत्र शंकरगढ़ से गिरफ्तार किया गया ।

नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । उल्लेखनीय है कि मुकदमा उपरोक्त में साक्ष्य संकलन के आधार पर धारा 395/397/412/120बी/34 भा0द0वि0, 3/25 आयुध अधि0 व 8/20/61 NDPS ACT की बढ़ोत्तरी की गयी तथा धारा 392 भा0द0वि0 का लोप किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1.रोहित यादव उर्फ दारा सिंह पुत्र रामबिहारी यादव निवासी अमकछा थाना मेजा जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 20 वर्ष 2.विकास पाल पुत्र दिनेश पाल निवासी रत्यौरा मोड़ थाना कोरांव जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 19 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 046/2024 धारा 342/395/397/412/120बी/34 भा0द0वि0, 3/25 आयुध अधि0 व 8/20/61 NDPS ACT थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।पुलिस टीम का विवरण-1.प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.व0उ0नि0 नवीन कुमार सिंह थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.उ0नि0 लोकेन्द्र सिंह थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।4.उ0नि0 आदित्य कुमार थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।5.का0 रामजतन यादव थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

जम्मू हादसा,एक चिता में जला 4 लोगों का परिवार,पति-पत्नी और दादा-पोते भी एक साथ हुए विदा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ के नाया में जब एक साथ 11 लोगों की चिताएं चली तो हर किसी के आंसू छलक उठे। आंखों में आंसू लेकर कांपते हुए हाथों से ग्रामीणों ने अपने परिवार के लोगों को मुखाग्नि दी। लोग एक-दूसरे के कंधे में सिर रखकर गम छिपाते नजर आए। इस दौरान शासन और प्रशासन के लोग दिलासा देते रहे। जम्मू से ट्रेन के जरिए प्रशासन की टीम और परिवार के लोग सभी शव लेकर मथुरा पहुंचे। देर शाम 11 लोगों के शव अलीगढ़ लाए गए। अंतिम दर्शन के बाद परिवार के लोगों ने जरा भी देर न करते हुए तत्काल शवों का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतकों को अलग-अलग अग्नि देने के बजाय, एक परिवार के लोगों को एक ही चिता में एक साथ अंतिम विदाई दी गई। इसे देखकर लोगों के आंसू छलक उठे। हादसे में नाया गांव के लक्ष्मण का पूरा परिवार खत्म हो गया। लक्ष्मण अपनी पत्नी अनामिका, बेटे रुद्र और बेटी नैंसी के साथ तीर्थयात्रा पर गए थे। लक्ष्मण के साथ उनके बड़े भाई शास्त्री और भतीजी अनुप्रिया थी। शास्त्री और अनुप्रिया के गंभीर चोटें आई। जबकि लक्ष्मण का पूरा परिवार खत्म हो गया। शनिवार को जब उनके शव अलीगढ़ पहुंचे तो लक्ष्मण के पूरे परिवार को एक साथ एक ही चिता में अंतिम विदाई थी। उनके बड़े भाई ने नम आंखों के साथ मुखाग्नि दी। इस हृदय विदारक घटना को देखकर पूरा गांव रो पड़ा। किसी के लिए भी इस घटना को भुला पाना आसान नहीं था। लक्ष्मण के परिवार के साथ ही अन्य मृतकों को भी एक ही चिता में अंतिम विदाई दी गई। हादसे में सरबजीत और उनकी पत्नी सीमा की भी मौत हो गई थी। सरबजीत और सीमा को भी एक ही चिता में अंतिम विदाई दी गई। इसके साथ ही गांव के ही दादा-पोते एक साथ विदा हुए। गांव के सुरेश अपने नाती तनुज और अपनी भतीजी अंजलि के साथ यात्रा पर गए थे। हादसे में तीनों की मौत हो गई। इसके बाद सुरेश और तनुज को एक साथ एक ही चिता पर अंतिम विदाई दी गई। जबकि अंजलि की चिता बिल्कुल उनके बगल में जलाई गई। सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा था।हादसे में गांव के सुनीता पत्नी रवेंद्र और संजय की भी मौत हो गई थी। इन दोनों के शव भी शनिवार को ही अलीगढ़ पहुंच गए थे। इसके बाद इन दोनों का भी रात में ही परिवार के लोगों ने अंतिम संस्कार कर दिया। नाया गांव की ही सुनीता पत्नी भगवान सिंह की भी इस हादसे में मौत हुई है। उनका शव रविवार को अलीगढ़ पहुंचेगा। फिर अंतिम संस्कार गांव में ही किया जाएगा। परिवार के लोग शव आने का इंतजार कर रहे हैं और लगातार प्रशासन से शव आने की बात पूछ रहे हैं।अलीगढ़ का नाया गांव और हाथरस में शामिल नगला उदय सिंह अगल-बगल ही हैं। दोनों गांवों के बीच में सिर्फ एक खेत का ही फर्क है। नगला उदय सिंह में भी 5 लोगों की मौत हुई है। नाया के प्रधान पति अजीत सिंह ने बताया कि नगला उदय सिंह की आबादी सिर्फ 125 लोगों की है। इसमें 5 लोगों की हादसे में मौत हो गई है। यह गांव भले ही हाथरस की सीमा में शामिल है, लेकिन दोनों गांवों के लोगों का सुबह शाम का उठना बैठना था। रविवार की सुबह सभी शवों का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। हादसे में जान गंवाने वाले सुरेश, तनुज और अंजलि के रिश्तेदार कपिल चौधरी ने बस संचालक के ऊपर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि इस हादसे में बस संचालक और ड्राइवर की पूरी गलती है। उसने बस में ओवरलोडिंग कर रही थी और क्षमता से ज्यादा सवारियां बैठाई थी। बस में एलपीजी सिलेंडर भी रखे हुए थे। अगर हादसे में यह सिलेंडर फट जाते तो बस में सवार किसी भी व्यक्ति का बचना मुश्किल हो जाता। अभी जो लोगों के शव गांव आ गए हैं, वह भी यहां न आ पाते। इसलिए आरोप संचालक पर मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। घटना में जान गंवाने वाले मृतकों के आश्रितों को सरकार 5 लाख रुपए देगी। जिन परिवारों के एक से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, उन्हें 5-5 लाख रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से मुआवजा मिलेगा। वहीं जो व्यक्ति हादसे में घायल हुए हैं, उनके परिवार के लोगों को सरकार की ओर से 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

आय से अधिक संपत्ति मामला, नरेंद्र गिरि के गनर पर दर्ज भ्रष्टाचार केस की जांच 10 महीने बाद भी अधूरी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज।अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि के गनर रहे अजय कुमार सिंह पर दर्ज भ्रष्टाचार के केस में विवेचना 10 महीने बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में हुई प्रारंभिक जांच में दोषी पाए जाने के बाद यह मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसकी विवेचना मौजूदा समय में भ्रष्टाचार निवारण संगठन प्रयागराज थाने से की जा रही है।अजय महंत नरेंद्र गिरि की सुरक्षा में लंबे समय तक तैनात रहा और उनकी खुदकुशी के बाद प्रयागराज से उसका तबादला कर दिया गया था। 17 जुलाई 2023 को उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संगठन प्रयागराज इकाई के थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। 10 महीने बाद भी मामले की विवेचना पूरी नहीं हो सकी है। फिलहाल इस मामले में साक्ष्य संकलन की ही कार्रवाई चल रही है। प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण संगठन के प्रभारी उपेंद्र सिंह यादव ने बताया कि विवेचना चल रही है। विवेचक चुनाव ड्यूटी में गए थे जो आखिरी चरण के चुनाव के बाद वापस आएंगे। इसके बाद कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।दिसंबर में दिया था आदेश, जनवरी में शुरु हुई जांच महंत की मौत के बाद अजय पर आय से अधिक संपत्ति के आरोप लगे थे। शिकायत शासन तक पहुंची तो गृह विभाग की ओर से दिसंबर 2022 में जांच के आदेश दिए गए। जनवरी 2023 में भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुख्यालय से मामले की जांच इंस्पेक्टर ठाकुरदास को सौंपी गई। जिसमें आरोपी दीवान प्रारंभिक रूप से दोषी पाया गया।शासन के आदेश पर हुई जांच में पाया गया कि कुल ज्ञात वैध स्रोतों से आरोपी दीवान ने निर्धारित अवधि में 95.79 लाख रुपये की आय अर्जित की। जबकि इस अवधि में उसने कुल 1.22 करोड़ रुपये खर्च किए। इस तरह उसने आय से 26.78 लाख रुपये अधिक खर्च किए। इस संबंध में जवाब मांगा गया लेकिन वह संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सका। इस आधार पर पहले कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। बाद में मुकदमा भ्रष्टाचार निवारण संगठन के थाने में ट्रांसफर कर दिया गया।

नहर किनारे मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

अमेठी। जनपद में ससुराल में रह रहे युवक का घर से दूर नहर किनारे झाड़ियां में शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। शव पर चोट के कई निशान है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर शव को फेंका गया है। मृतक कल शाम चार बजे से लापता था और बताया जा रहा है कि मृतक नशे का आदी था। दरअसल ये पूरा मामला जामो थाना क्षेत्र के बंधवा रेसी गांव का है जहां अपनी ससुराल में रह रहे 35 वर्षीय विनोद का शव घर से दूर नहर किनारे झाड़ियों में मिलने से हड़कंप मच गया। शव पर ग्रामीणों की नजर पड़ते ही परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुँचे और शव को लेकर घर चले गए। कुछ देर बाद पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। सीओ मयंक द्विवेदी ने भी घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया है।

यूट्यूबर ने वीडियो वायरल कर दी आत्मदाह की चेतावनी, पुलिस ने उठाया

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस प्रशासन और एक पत्रकार पर कथित तौर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए यूट्यूबर राजुल ने एक वीडियो वायरल कर आत्मताद की चेतावनी दी थी। उसने रविवार को सायं पांच बजे धरना स्थल पत्थर गिरजाघर पर आत्मदाह की चेतावनी दी थी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने यू ट्यूबर को दोपहर में ही उठा लिया। उसे सिविल लाइंस थाने लाया गया है।यू ट्यूबर राजुल ने एक वीडियो वायरल कर पुलिस प्रशासन पर प्रताड़ित करने और फर्जी एफआईआर करने का आरोप लगाया। कहा कि इसमें एक कथित पत्रकार की भी मिलीभगत है। परेशान करने की नीयत से उसके खिलाफ एफआईआर कराई गई है जिसमें कोई सत्यता नहीं है। उसने जब थाने में तहरीर दी तो उसकी सुनवाई नहीं हो रही है। उसने आईजीआरएस पर भी शिकायत की है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। प्रताड़ना से तंग आकर वह आत्महत्या कर लेगा।

एसआरएन की मर्चरी में लगाई जा रही शवों की छल्ली, एक डिफिजर बिगड़ा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज।भीषण गर्मी और लू की चपेट में आने से मौतों के आंकड़े बढ़ने के साथ ही एसआरएन की मर्चरी में शनिवार को भी भीड़ लगी रही। यहां डिफ्रीजर में अनाज के बोरे की तरह शवों की छल्ली लगाईजाती रही। बिजली कटौती से तो परेशानी रही ही, एक डिफ्रीजर के खराब होने की वजह से शव खराब हो रहे हैं। शनिवार को कोरांव से लाए गए एक शव को परिजनों ने पहचानने से इन्कार कर दिया। इस दिन सुबह से शाम छह बजे तक सिर्फ 18 शवों का पोस्टमार्टम किया जा सका, जबकि 35 शवों का पोस्टमार्टम रविवार को किया जाएगा।पिछले दो दिनों से जिले में मौत के आंकड़ा तीन गुना बढ़ गया है। जहां जिले भर में अलग अलग कारणों की वजह से एक दिन में मर्चरी में औसतन 10 से 12 शव आते थे, वहीं अब इसकी संख्या करीब तीन गुना बढ़ गई है। शनिवार को नाम न छापने की शर्त पर पोस्टमार्टम हाउस के एक कर्मचारी ने बताया कि दो दिन से शवों का तांता लगा है। इस तरह कोरोना के समय शवों के ढेर लग रहे थे। गर्मी की वजह से शवों से दुर्गंध उठने से वहां काम करना मुश्किल हो रहा है।पोस्टमार्टम कर्मियों के अनुसार शनिवार को शाम छह बजे तक 18 शवों का पोस्टमार्टम किया जा सका। जबकि, 35 शवों का डिफ्रिजर में रख दिया गया है। रविवार को इनका पोस्टमार्टम किया जाएगा।एक डिफ्रीजर खराब होने की वजह से शवों के रख रखाव में दिक्कत कर्मियों का कहना है जिले में बढ़ते मौत की दर की वजह से मर्चरी में शवों की संख्या ज्यादा हो जा रही है। एक डिफ्रीजर खराब होने की वजह से एक में ही एक के ऊपर एक शवों को रखना पड़ रहा है।

इनामी बदमाश ने पुलिस पर की फायरिंग,देर रात हुई मुठभेड़, जवाबी कार्रवाई में 25 हजार के इनामी आरोपी के लगी गोली

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ के बरला थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक इनामी बदमाश से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। आरोपी ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने भी गोली चलाई। जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी वांछित अपराधी है और उसके खिलाफ कई नामजद मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसके ऊपर ईनाम भी घोषित कर रखा है। वह पिछले दो सालों से लगातार फरार चल रहा था। पुलिस को उसका सुराग मिला था। जिसके बाद शनिवार देर रात पुलिस उसका इंतजार कर रही थी। बरला के मदापुर पुलिया के पास पुलिस और बदमाश की मुठभेड़ हुई, जिसमें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि थाना गभाना के भरतरी गांव निवासी विवेक कुमार पुत्र गोपाल एक शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ थाना बरला, सिविल लाइंस और गभाना में कई नामजद मुकदमे दर्ज हैं। यह सारे मामले चोरी, लूट, एनडीपीएस जैसे गंभीर मामलों में दर्ज हैं। आरोपी ने बरला क्षेत्र में सितंबर 2022 में दिनदहाड़े लूट की थी। लूट करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के ऊपर 25 हजार रुपए नकद पुरस्कार भी घोषित किया था। आरोपी लगभग दो साल से फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में थी। सर्विलांस, फील्ड यूनिट की मदद से पुलिस को आरोपी का सुराग मिला था, जिसके बाद टीम उसे पकड़ने गई थी।सीओ बरला सर्जना सिंह ने बताया कि पुलिस को आरोपी की सूचना मिली थी। जिसके बाद टीम देर रात लगभग 3 बजे बरला के रहमापुर पुलिया के पास नाकाबंदी करके खड़ी थी। इसी दौरान पुलिस को दो संदिग्ध बाइक सवार आते हुए नजर आए। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखकर आरोपियों ने टीम को जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस टीम ने भी फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर जमीन पर गिर गया। वहीं उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस की गोली से आरोपी विवेक घायल हो गया और उसने पुलिस को सरेंडर कर दिया। उसके पास से पुलिस को एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और कारतूस के दो खोखे बरामद हुए हैं। इसके साथ ही 2022 में की गई लूट से संबंधित एक बैग भी बरामद हुआ है, जो पीड़ित से छीना गया था। अब आरोपी का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा ओर जेल भेजा जाएगा। वहीं उसके फरार साथी की तलाश चल रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष बरला रंजीत कुमार, एसआई सुरेंद्र कुमार कर्णवाल, एसआई यूटी सत्यम सिंह, सर्विलांस प्रभारी देहात अंकित सिंह, हेड कांस्टेबल अंकित कुमार, हेड कांस्टेबल राघव नारायण, कांस्टेबल गौरव चौधरी, रवि कुमार, मुकेश कुमार और मनोज कुमार शामिल रहे।

खेत काटने के विवाद में चलीं गोलियां, 7 लोगों पर एफआईआर

अलीगढ़। अलीगढ़ के इगलास में खेत जोतने और फसल काटने को लेकर शनिवार शाम दो पक्षों में विवाद हो गया। पहले दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और फिर नौबत मारपीट तक आ गई। मामला इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने तमंचा निकालकर दूसरे पक्ष के ऊपर फायरिंग कर दी। गोली चलने के बाद पूरे गांव में अफरा तफरी मच गई और भगदड़ मच गई। वहीं पीड़ित ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। देर रात वीडियो सामने आने के बाद रविवार को इगलास थाने में पुलिस ने 7 नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जीवनपुर गांव में शनिवार को दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। एक पक्ष ने फायरिंग भी की थी और तमंचा लेकर दूसरे पक्ष को दौड़ा लिया था। यह वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने तत्काल इस मामले का संज्ञान लिया था। मामले का संज्ञान लेने के बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज किया है और सभी नामजद आरोपियो को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इन सभी पर जान से मारने का प्रयास, मारपीट समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित मानवेंद्र उर्फ मुन्नू पुत्र रामकरण निवासी जीवनपुर की तहरीर पर पुलिस ने 7 लोगों को नामजद किया है। पीड़ित ने बताया उसने अपने गांव के चूरामन पुत्र नेम सिंह का खेत लीज पर एक साल के लिए लिया है। पिछले साल यही खेत कन्हैया पुत्र छैला बिहारी ने लिया था। खेत में कन्हैया की थोड़ी सी फसल खड़ी थी। पीड़ित ने कन्हैया से इसे काटने और खेत खाली करने के लिए कहा। लेकिन वह नाराज हो गया और गाली गलौज करने लगा। फिर अपने परिवार के लोगों के साथ मिलकर उसके ऊपर जानलेवा हमला बोल दिया और जमकर मारपीट की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर 7 लोगों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज किया है। इसमें कन्हैया, मानवेंद्र सिंह, चंद्रमोहन, अरविंद सिंह, कृष्णवीर सिंह, रोहित और सोमेश को नामजद किया गया है। सभी आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।